हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 341, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 12 जून, 2024 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

योगी कैबिनेट ने नई तबादला नीति 2024-25 को दी मंजूरी

प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का दिया तोहफा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में 2024-25 के लिए नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी है। बैठक में कुल 42 प्रस्ताव रखे गए जिनमें से 41 को मंजूरी दे दी गई है। नई स्थानांतरण नीति के तहत समूह क और ख के उन अधिकारियों का स्थानांतरण किया जा सकेगा, जिन्होंने जनपद में 3 वर्ष और मंडल में 7 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। वहीं समूह ग और घ में सबसे पुराने अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाएगा। समूह क और ख के अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए अधिकतम 20 प्रतिशत तो वहीं समूह ग और घ के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत की सीमा रखी गई है। इस स्थानांतरण नीति के तहत सभी स्थानांतरण आगामी 30 जून तक किए जाने हैं। बैठक में बुंदेलखंड क्षेत्र की 50 में से 26 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। जिनकी कुल लागत 10858 करोड़ रुपये है। इसमें 1394 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है।

एक दिन पूर्व रिटायर होने वाले कर्मचारियों को मिलेगा वेतन वृद्धि का लाभ- कैबिनेट ने प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। इसके अनुसार अब 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले सरकारी कर्मचारियों को एक जुलाई और एक जनवरी से प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ मिल सकेगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अभी तक जो व्यवस्था थी उसके अनुसार 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि अब कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। इससे कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ उनकी पेंशन और ग्रेचुयुटी में मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय के बाद ज्यूडिशियल कर्मचारियों को पहले ही इसका लाभ दिया जा चुका है और अब सरकारी कर्मचारी भी इससे लाभान्वित हो सकेंगे।

विश्वविद्यालयों के नामों में संशोधन, 2 निजी विश्वविद्यायलों को एलओआई- योगी सरकार ने प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों के नामों में भी मामूली संशोधन किया गया है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार इन विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द को हटाया गया है। महाराज सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ का नाम अब महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ होगा। इसी तरह मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजापुर, मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर से भी राज्य शब्द को हटाने को मंजूरी दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि प्रदेश के छात्र अपने ही प्रदेश में उच्च शिक्षा गृहण कर सकें। इसके लिए सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ ही प्राइवेट विश्वविद्यालय को भी प्रमोट किया जा रहा है।

इसी क्रम में दो नए निजी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट देने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसमें एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली है। इन दोनों ने अपने सभी मानक पूरे कर लिए हैं। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में तैयारियों के मद्देनजर 2019 की तुलना में 2025 में 3200 हेक्टेयर की तुलना में 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तार किया गया है। अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर करीब छह करोड़ लोग आएंगे। कुंभ के लिए 2500 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी होगी अमरावती

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि अमरावती राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। नायडू, तेदेपा, भाजपा और जनसेना के विधायकों की एक संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने आंध्र प्रदेश विधानसभा में एनडीए नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में तीन राजधानियों की आड़ में कोई खेल नहीं होगा। हमारी राजधानी अमरावती है। अमरावती राजधानी है।राज्य के बंटवारे के बाद चंद्रबाबू नायडू पहले मुख्यमंत्री बने। वह 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री रहे। नायडू ने अमरावती को राजधानी बनाने का विचार रखा था। हालांकि, नायडू के इस विचार को उस समय झटका लगा जब 2019 में उन्होंने सत्ता खो दी और वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने शानदार जीत हासिल की। फिर रेड्डी ने अमरावती शहर की योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया और तीन राजधानियों का एक नया विचार सामने रखा, जिसे नायडू ने अब एकमात्र राजधानी रखने के फैसले के साथ बदल दिया है। आंध्र प्रदेश के हालिया विधानसभा चुनाव में तेदेपा, भाजपा और जनसेना के गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल की।

अमित शाह ने फिर संभाला गृह मंत्रालय का प्रभार, चिराग बोले- खाद्य प्रसंस्करण में अपार संभावनाएं

नई दिल्ली। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को अपने मंत्रियों के विभागों का बंटवारा किया। मोदी ने अपने पुराने सिपहसालारों पर भरोसा करते हुए मंत्रिमंडल में किसी बड़े बदलाव से गुरेज किया है। उन्होंने अमित शाह, राजनाथ सिंह, एस जयशंकर और अश्विनी वैष्णव समेत कई मंत्रियों पर फिर से विश्वास जताया है। वहीं, कुछ मंत्रालय में बदलाव भी किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर पीएम मोदी ने एक बार फिर भरोसा दिखाया। उन्हें फिर से केंद्रीय गृह मंत्री का कार्यभार सौंपा गया है। उन्होंने गृह मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया।

वहीं, सहकारिता मंत्री का भी कार्यभार संभाला। किरेन रिजिजू ने संसदीय कार्य मंत्री, संजय सेठ ने रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री और एल. मुरुगन ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार संभाला। वहीं, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री का कार्यभार संभाला। साथ ही डॉ. जितेंद्र सिंह ने कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री का पदभार संभाला। राजीव रंजन(ललन) सिंह ने पंचायती राज मंत्री और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री के रूप में पदभार संभाला। रिजिजू ने कहा, 'संसद में हमारे देश के भविष्य की चर्चा होती है और यहां से निर्णय लेकर हम देश की सेवा करते हैं। हर राजनीतिक दल का मकसद एक है-देश की सेवा...इसलिए संसद चलाने में सबका योगदान चाहिए।' केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर पीएम मोदी ने दूसरी बार भरोसा दिखाया। उन्हें फिर से पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सौंपा गया। उन्होंने आज सुबह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इस मौके पर भूपेंद्र यादव ने पीएम मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा, 'मैं नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि मुझे फिर से इस मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। इस मंत्रालय द्वारा कई अहम कदम प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिए गए हैं और हम पर्यावरण व विकास को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मिशन लाइफ की शुरूआत पीएम मोदी ने ग्लासगो कॉप में दुनिया में पर्यावरण संकट के लिए एक बहुत बड़े एक्शन प्रोग्राम के रूप में की थी। पीएम मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को हमारी पृथ्वी को हरा-भरा रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। देश में जो ग्रीन इकोनॉमी है उसे आगे बढ़ाने का काम हो रहा है। बिहार से सांसद एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का पदभार संभाल लिया। 42 वर्षीय पासवान ने अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान के असली राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की विशाल संभावनाओं को उजागर करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

चंद्रबाबू नायडू चुने गए एनडीए विधायक दल के नेता, गठबंधन ने सीएम बनाने की दी सहमति

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश में सरकार गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को तेदेपा और एनडीए ने चंद्रबाबू नायडू को अपना विधायक दल का नेता चुन लिया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद तेदेपा, भाजपा और जनसेना गठबंधन के नेता राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। बुधवार को चंद्रबाबू नायडू के साथ कई और नेता भी शपथ ले सकते हैं। नायडू के साथ शपथ लेने वाले नेताओं के नाम मंगलवार को तय कर लिए जाएंगे। विजयवाड़ा में एनडीए गठबंधन के विधायकों की बैठक हुई। इस बैठक में टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नाडयू, जनसेना के प्रमुख पवन कल्याण और आंध्र प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष डग्गुबाती पुरुदेश्वरी समेत एनडीए के सभी विधायक शामिल हुए। इस बैठक में जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने एनडीए की तरफ से चंद्रबाबू नायडू का नाम सीएम पद के लिए प्रस्तावित किया, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू का कहना है, 'बीजेपी, जनसेना और टीडीपी के सभी विधायकों ने मुझे आंध्र प्रदेश की एनडीए सरकार का आगामी मुख्यमंत्री बनने के लिए अपनी सहमति दे दी है।' आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने बताया, 'आज एनडीए की बैठक हुई, जिसमें चंद्रबाबू नायडू को एनडीए विधानसभा का नेता चुना गया। हम अभी राज्यपाल के पास आए हैं और उन्हें एक अनुरोध पत्र सौंपा है कि 'वह चंद्रबाबू को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें'। इस पर राज्यपाल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उचित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए वह उन्हें तुरंत सरकार बनाने के लिए बुलाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह कल होगा।' आंध्र प्रदेश में 12 जून को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं। वहीं जनसेना पार्टी ने अपने विधायक दल का नेता पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण को चुन लिया है। पवन कल्याण मंगलवार सुबह मंगलागिरी स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्हें जनसेना पार्टी के विधायकों ने अपना नेता चुना।

केंद्र में मंत्री बनने के बाद जितिन प्रसाद ने यूपी के मंत्री पद व विधान परिषद की सदस्यता से दिया इस्तीफा

लखनऊ। केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद जितिन प्रसाद ने यूपी सरकार के मंत्री पद व विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें मोदी सरकार 3.0 में वाणिज्य राज्यमंत्री बनाया गया है। वह यूपी में विधान परिषद सदस्य थे और सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे। उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया गया है। सरकार में यूपी को खास अहमियत दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रि परिषद में विभाग बंटवारे में यूपी के राज्य मंत्रियों को खासी अहमियत दी है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जंयत चौधरी को कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास की जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा उन्हें शिक्षा विभाग का राज्यमंत्री भी बनाया गया है। कीर्तिवर्धन सिंह को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के साथ विदेश मामलों का मंत्री बनाकर उनका कद बढ़ाया गया है। जितिन प्रसाद को वाणिज्य एवं उद्योग के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली है। मोदी-3 मंत्रिपरिषद में यूपी से दो कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह और हरदीप पुरी हैं। रालोद के जयंत चौधरी को महत्वपूर्ण विभाग देकर जाट मतदाताओं में उनकी पकड़ को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है। मंत्रिपरिषद में दुबारा स्थान पाने वाले बीएल वर्मा उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण विभाग के

राज्यमंत्री होंगे। पिछली बार उनके पास अपेक्षाकृत कम महत्व के माने जाने वाला उत्तर पूर्व विकास क्षेत्र और सहकारिता विभाग था। अपना दल (एस) कोटे की राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक विभाग की मंत्री बनाई गई हैं। मोदी-2 सरकार में वे वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री थीं।

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से मांगा जवाब, पर काउंसलिंग पर रोक नहीं

नई दिल्ली। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 के रिजल्ट में धांधली को लेकर छात्र काफी नाराज चल रहे हैं। अब नीट की प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक होने की खबरों के बीच अभ्यर्थियों के एक समूह ने नए सिरे से एनईईटी-यूजी 2024 परीक्षा कराने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया।

गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल की है कि नीट यूजी 2024 रिजल्ट को वापस लिया जाए और फिर से परीक्षा कराई जाए। बता दें, नीट परीक्षा पांच मई को हुई थी और चार जून को रिजल्ट आया था। तभी से कई शिकायतें सामने आई, जिसमें पेपर लीक की बातें कही गईं। मंगलवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट से छात्रों को भी झटका लगा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाशकालीन पीठ ने एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पास उम्मीदवारों की काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। वहीं परीक्षा रद्द करने से भी मना कर दिया। अवकाश पीठ ने एनटीए से कहा, 'यह इतना भी आसान नहीं है, क्योंकि आपने यह कराया है, इसलिए इसकी पूरी प्रक्रिया पर अंगुली नहीं उठाई जा सकती। पवित्रता पर असर पड़ा है।' याचिकाकताओं की ओर से पेश अधिवक्ता मैथ्यू जे नेदुमपारा ने पीठ से काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने का अनुरोध किया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई के लिए आठ जुलाई का समय दिया। पीठ ने कहा, 'काउंसलिंग शुरू होने दीजिए, हम काउंसलिंग नहीं रोक रहे हैं।' परीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं पर पीठ ने एनटीए को नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई है, इसलिए एनटीए को जवाब देने की जरूरत है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है।

'नायडू व नीतीश असंतुष्ट आत्माएं', पीएम मोदी के भटकती आत्मा वाले बयान पर संजय राउत का तंज

मुंबई। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि एनडीए में भाजपा के सहयोगी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू असंतुष्ट आत्माएं हैं। मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शरद पवार को भटकती आत्मा से तुलना किए जाने पर कहा कि 'ये भटकती आत्मा जब तक भाजपा नीत सरकार को केंद्र और महाराष्ट्र से नहीं हटा देती, तब तक आराम से नहीं बैठेगी।'

संजय राउत का यह बयान सरकार में मंत्रालयों के बंटवारे के बाद सामने आया है। राउत ने कहा 'अगर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लगता है कि केंद्र की एनडीए सरकार देशहित में नहीं है तो उन्हें इसे गिरा देना चाहिए।' शिवसेना यूबीटी नेता ने तंज कसते हुए कहा 'केंद्र में दो अतृप्त आत्माएं हैं, नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू। आपको (भाजपा) पहले इन दो अतृप्त आत्माओं को संतुष्ट करना चाहिए। जिस तरह से विभागों का बंटवारा हुआ है, उससे लगता है कि ये आत्माएं असंतुष्ट हैं।' उन्होंने कहा 'विभाग बंटवारे के तहत बुधवार को जदयू के ललन सिंह को पंचायती राज, मतस्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय दिया गया है। वहीं टीडीपी के राम मोहन नायडू को नागरिक उड्डयन मंत्रालय दिया गया है। जेडीएस को कुमारस्वामी को सबसे खारिज मंत्रालय दिया है।' गौरतलब है कि कुमारस्वामी को भारी उद्योग और इस्पात मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। राउत ने दावा किया कि भाजपा ने सारे अहम विभाग अपने पास रखे हैं।

मंत्रिमंडल बंटवारे के बाद सियासत, तेजस्वी बोले- बिहार को झुनझुना थमाया, अब विशेष पैकेज का इंतजार

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार में मंत्रिमंडल बंटवारे के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। विपक्ष के नेता कह रहे हैं फिर से मोदी 3.0 की सरकार ने बिहार को कुछ नहीं मिला। सारे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास ही रखे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार को झुनझुना थमा दिया गया है। हम बिहारवासी जानते हैं कि बिहार की तरक्की के बिना देश तरक्की नहीं कर सकता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार इस बार निर्णायक भूमिका में है। मोदी जी के 10 वर्ष पूर्व के वादानुसार एवं झारखंड बंटवारे के बाद सन 2002 से हमारे दल की पुरानी मांग तथा अधिकार रैलियों के माध्यम एवं अभी दो महीने पूर्व तक सीएम नीतीश जी की केंद्र सरकार से निरंतर डिमांड के मद्देनजर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज का हम बिहार वसियों को इंतजार रहेगा। वैसे मंत्रिमंडल बंटवारे में तो बिहार को झुनझुना ही थमा दिया गया। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस बार जांच जाँच एजेंसियों को निष्पक्ष रहना होगा। संसद में विपक्ष मजबूत हो गया है। अब ईंट से ईंट बजेगा। तेजस्वी यादव ने दावा करते हुए कहा कि हमलोग इसबार विधानसभा में चार गुना ज्यादा सीट जीतेंगे। रविवार को मोदी के साथ 71 मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें 30 कैबिनेट मंत्री, पांच स्वतंत्र प्रभार

मंत्री और 36 राज्य मंत्री हैं। सोमवार की शाम इन सभी के मंत्रालयों की जानकारी सार्वजनिक की गई। पहली बार सांसद बने हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय दिया गया है। कैबिनेट मंत्रियों में जनता दल यूनाइटेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुंगेर के सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को पंचायती राज मंत्रालय के साथ मत्स्यपालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय दिया गया है। भाजपा के बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह को कपड़ा मंत्रालय दिया गया है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और हाजीपुर सांसद चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय दिया गया है। जदयू कोटे से राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय का राज्यमंत्री बनाया गया है। गृह मंत्री अमित शाह के साथ रहे उजियारपुर के भाजपा सांसद नित्यानंद राय की जिम्मेदारी नहीं बदली गई है। उन्हें फिर से गृह राज्यमंत्री बनाया गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे को कोयला और खनन मंत्रालयों का राज्यमंत्री बनाया गया है। मुजफ्फरपुर से पहली बार सांसद बने भाजपा के राजभूषण चौधरी को जल शक्ति राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

चीन-पाकिस्तान से कैसे निपटेंगे? विदेश मंत्री का पद संभालने के बाद जयशंकर ने बताई योजना

नई दिल्ली। एनडीए सरकार में मंत्रियों का शपथ ग्रहण और विभागों का बंटवारा हो चुका है। जिसके बाद मंगलवार को एस जयशंकर ने बतौर विदेश मंत्री अपना कार्यभार संभाल लिया। इस दौरान उन्होंने विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार की योजनाओं के बारे में बात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 'आज दुनिया में बहुत उथल-पुथल है, दुनिया खेमों में बंट गई है और तनाव और संघर्ष भी बढ़ रहे हैं। ऐसे वक्त में भारत की पहचान एक ऐसे देश की है, जिस पर विश्वास किया जा सकता है, जिसकी एक प्रतिष्ठा और प्रभाव है।' अगले पांच साल चीन और पाकिस्तान के साथ संबंधों के सवाल पर एस जयशंकर ने कहा कि 'कोई भी देश, खासकर एक लोकतंत्र में किसी भी सरकार का लगातार तीसरी बार चुना जाना एक बड़ी बात है। दुनिया को इससे पता चलेगा कि भारत में राजनीतिक स्थिरता है... जहां तक पाकिस्तान और चीन की बात है तो दोनों देशों के साथ रिश्तें अलग-अलग हैं तो समस्याएं भी अलग होंगी। हमारी कोशिश है कि चीन के साथ सीमा विवाद का हल खोजा जाए और पाकिस्तान के साथ हम चाहते हैं कि सीमापार आतंकवाद के मुद्दे पर कोई हल निकाला जाए।' एक पत्रकार ने विदेश मंत्री से सवाल किया कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज

शरीफ ने प्रधानमंत्री मोदी को जीत की बधाई दी है और आपने पीओके लेने की बात कही थी तो क्या इस कार्यकाल में कुछ होने की उम्मीद है? इसका विदेश मंत्री ने तीखा जवाब दिया और कहा कि 'मैंने जो कहा था वो आप भी जानते हैं और मैं भी जानता हूं, इसलिए आप मेरे मुंह में शब्द न डालें। नवाज शरीफ ने जो संदेश भेजा था, उसका प्रधानमंत्री ने स्वागत किया और अपनी भावनाओं को प्रकट किया।'

संपादकीय

सवाल शुचिता का

झुलसाती गर्मी के बीच लंबे चले चुनावी अभियान में देश के मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी से किया। देश में 18वीं लोकसभा का स्वरूप शक्ल ले चुका है। गर्व है कि हम दुनिया में रिकॉर्ड संख्या में मतदाताओं वाले सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा हैं। लेकिन इस बीच विचलित करने वाली खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं। यह स्थिति हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम मूल्यों की शुचिता का पारदर्शी समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? इसी दिशा में चिंतन से सिर्फ चिंता ही बढ़ती है। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी ए.डी.आर. की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2109 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं 18वीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। फिलहाल देश के निचले सदन में आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले सांसदों की यह संख्या पिछले कई दशकों में सर्वाधिक है। वर्ष 2014 में यह संख्या 34 फीसदी, 2009 में 30 फीसदी और 2004 में 23 फीसदी थी। जनप्रतिनिधियों में दागियों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि होना हमारे लोकतंत्र की विसंगति को ही दर्शाता है। जाहिरा तौर पर इनका परोक्ष-अपरोक्ष प्रभाव लोकतंत्र की गुणवत्ता पर पड़ेगा। विडंबना यह है कि इस बार दागी 251 प्रतिनिधियों में से 170 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। गंभीर आपराधिक मामलों में लिप्त सांसदों की संख्या में 2009 की लोकसभा के मुकाबले इस बार 124 फीसदी वृद्धि देखी गई है। निश्चय ही यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। बहरहाल, यह सवाल हर एक जागरूक नागरिक को विचलित कर रहा है कि कैसे संसद में दागियों के पहुंचने का द्वार बंद हो। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल के बाद ही वर्ष 2020 में निर्देश दिए गए थे कि सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करें। जाहिरा तौर पर इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। ऐसा भी नहीं है कि दल विशेष ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हों। हर छोटे-बड़े राजनीतिक दल में दागियों की पर्याप्त संख्या रही है। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। आखिर कैसे देश के युवा व बच्चे अपने लोकतंत्र के प्रतिनिधियों के आचरण का अनुकरण करेंगे? सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन-केन-प्रकारेण करोड़पति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं। ऐसे में क्या उम्मीद की जाए कि अपनी मेहनत की कमाई से जीवन यापन करने वाला आम आदमी कभी सांसद बनने की बात सोच सकता है?

बंट गया विभाग !

मिली सबको कुर्सी ।
बंट गया विभाग ।।
करने को पुरुषार्थ कब से ।
लगी पड़ी थी आग ।।
मनमुताबिक शायद ।
है मिला मंत्रालय ।।
ऑफिस को ही सबने ।
बना डाला आलय ।।
शांतचित्त फिलहाल ।
है सबका व्यवहार ।।
बन जाए व्यवस्था ।
बढ़ जाए आधार ।।
आए थोड़ा देर ।
रहें भी दुरुस्त ।।
सक्रिय हैं विरोधी ।
नहीं हुए हैं सुस्त ।।

-कृष्णेन्द्र राय

लोकतंत्र की संवैधानिकता को संबल देता जनादेश

डॉ. अश्विनी कुमार

सही मायनों में 2024 का जनादेश लोकतंत्र, गरिमा और न्याय के पक्ष में विपक्ष की नैतिक विजय है। चुनाव परिणाम केंद्रीकृत शक्ति के प्रति अविश्वास और बुनियादी संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति देशवासियों की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। चुनावी नतीजे स्वतंत्रता और न्याय को बरकरार रखने की हमारे संविधान निमार्ताओं की शपथ व बुद्धिमत्ता को सलाम है। चुनावी परिणाम राष्ट्र की आत्मा की अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। यह जनादेश इतिहास के उस स्थायी सबक की पुष्टि करता है कि अपमानित और कमजोर लोगों की तीव्र पीड़ा को कठोर सरकारें भी लंबे समय तक कुचल नहीं सकतीं और सरकारों के झूठ को अंततः उजागर किया जा सकता है। जनादेश का सबक है कि समय की जनभावना लोकतांत्रिक राजनीति को गढ़ती है। विपक्ष की आवाज ने एक बार फिर जनता की सामूहिक शक्ति को दशार्या है। संघीय राजनीति में क्षेत्रीय आकांक्षाओं की प्रासंगिकता और राष्ट्रीय राजनीति का पुनर्गठन भी जनादेश का अचूक संदेश है, जिसने देश की सबसे पुरानी पार्टी काँग्रेस मे गांधी परिवार के नेतृत्व को भी मान्यता दी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2024 का जनादेश हमारी चुनावी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता और भारतीय लोकतंत्र की अखंडता की पुष्टि करता है।

प्रधानमंत्री बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने बीजेपी की ओर से चुनाव को अपने कंधों पर उठाते हुए कठिन अभियान के दौरान उल्लेखनीय दृढ़ता दिखाई। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार उनका शपथ लेना भारत के समकालीन राजनैतिक इतिहास में एक असाधारण घटना है। चुनावी झटके के

बावजूद, प्रधानमंत्री अपनी पार्टी को एक अखिल भारतीय राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित करने का दावा कर सकते हैं, क्योंकि दक्षिण भारतीय राज्यों में भाजपा ने अपने वोट शेयर में इजाफा किया है। इसलिये इस ऊजार्वान दौर में, विपक्ष को प्रधानमंत्री की राजनैतिक जीवनी को इतनी जल्द नकारने की गलती नहीं करनी चाहिए।

निश्चित रूप से, यह नतीजे प्रधानमंत्री के लिए एक बड़ी चुनौती हैं। एक थकाने वाले और विभाजनकारी चुनाव अभियान के बाद राष्ट्र की आहत आत्मा को सद्भाव के मलहम की आवश्यकता है। अल्पसंख्यकों का अलगाव, असहज चुनावी संवाद, राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कानूनी और न्यायिक प्रक्रियाओं का विकृतीकरण, देश भर में सत्ताधारी दलों द्वारा संवैधानिक संस्थानों और नौकरशाही का दुरुपयोग व सभी स्तरों पर व्याप्त भ्रष्टाचार एक कमजोर लोकतंत्र के निराशाजनक संकेत हैं। स्वाभाविक तौर पर शपथग्रहण के बाद प्रधानमंत्री की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि वे जनादेश के प्रभाव को पहचानते हुए देश में संवैधानिक लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने के लिए कार्यशील हों। प्रधानमंत्री के सर्वोच्च पद के धारक के रूप में, देश के प्रथम सेवक को समस्त राष्ट्र के अहसास का प्रतिनिधित्व करना होगा। उन्हें अपने प्रभावी व्यक्तित्व द्वारा अपने राष्ट्रीय दृष्टिकोण को सामूहिक भाईचारे और सभी नागरिकों की गरिमा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जोड़ना होगा । उनसे अपेक्षा है कि वह जनादेश के संदेश को ध्यान में रखकर, उदार भाव रखते हुए अपने राजनीतिक विरोधियों के विचारों को भी मान्यता दें। उन्हें एक बहुलवादी समाज में समान नागरिकता के सिद्धांतों को अंजाम देना होगा।

सही मायनों में यह जनादेश राष्ट्रीय नवीनीकरण के लिए मेल-मिलाप की राजनीति पर आधारित एक सहयोगात्मक उद्यम का संकेत देता है। राष्ट्र के नेता के रूप में, इसके लिए प्रमुख जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की है। इस प्रयास में, उन्हें अनिवार्य रूप से विपक्ष के रचनात्मक सहयोग की जरूरत होगी, क्योंकि इस समय विपक्ष राष्ट्र के बड़े हिस्से की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही विपक्ष, हर सरकारी कार्रवाई के प्रति निरंतर निंदात्मक और आलोचनात्मक नहीं हो सकता। उसे जनादेश के परिणाम का सम्मान करना होगा ताकि उसकी सार्वजनिक विश्वसनीयता बनी रहे। विपक्ष को डॉ. अंबेडकर की उस बुद्धिमत्ता को भी ध्यान में रखना होगा, कि संवैधानिक लोकतंत्र में अराजकतावादी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है।

2024 के जनादेश ने भारतीय लोकतंत्र और संवैधानिकता को संबल दिया है। इससे व्यापक स्वीकार्यता वाली नीतियों और शासन की अपेक्षा की जा सकती है। इससे हमारे युग की चुनौतीपूर्ण समस्याओं का समाधान होने के साथ राष्ट्र की एकजुटता बढ़ेगी। ऐसी व्यवस्था मे मनमाने ढंग से शक्ति के प्रयोग के माध्यम से नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर व्यापक हमलों की कोई गुंजाइश नहीं होगी। नई सरकार की कार्ययोजना के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री को उन कठोर दंड कानूनों को निरस्त या संशोधित करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए, जिनका नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन में नियमित रूप से दुरुपयोग किया जाता है। उन्हें मानवीय कानूनों को अधिनियमित करना चाहिए, जिसमें बहुप्रतीक्षित व व्यापक कानून शामिल है, जिससे हिरासत में यातना को गैरकानूनी एवं दंडनीय ठहराया जा सके जिसको देश के सर्वोच्च न्यायालय ने, राष्ट्र की आत्मा पर एक घाव ठहराया है। सबसे बढ़कर, इस कठिन क्षण में प्रधानमंत्री को इतिहास के इस सबक पर विचार करना होगा, कि राजनीतिक शक्ति एक विश्वास है जिसे इस शर्त पर धारण किया जाता है कि उसका प्रयोग न्यायपूर्ण होगा जिससे नागरिकों की नैतिक शक्ति बढ़े और वे अपनी स्वतंत्रता को स्थापित रख सकें। हम जानते हैं कि स्वतंत्रता मानवता की अनिवार्य नियमावली है और मानवीय गरिमा लोगों की चेतना में संवरती है। अंततः मानवीय गरिमा ही मानवता के अस्तित्व की विशिष्टता को परिभाषित करती है।

एक नजर इधर भी, चिकित्सक के अभाव में शो पीस बना धर्मागतपुर का सरकारी अस्पताल मायूस होकर लौट रहे मरीज

दुल्लहपुर। गाजीपुर। आज से लगभग साढ़े तीन दशक पहले एक स्थानीय जमीनी पकड़ के गैर कांग्रेसी नेता एवं भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री सत्यनारायण तिवारी जी के अथक प्रयास के फलस्वरूप जिस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रार्दुभाव हुआ वह केंद्र धर्मागतपुर के नाम से जाना गया। अस्पताल निर्माण से क्षेत्रीय जनता में आशा की किरण का स्पंदन हुआ और निराशा के बादल? छंट गए। सच्चाई तो यही थी की छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के निदान हेतु अब दूर दराज जाने की आवश्यकता नहीं होगी। समय और अनावश्यक खर्च दोनों की बचत होगी। अगर अस्पताल के जीवन सफर पर गौर किया जाए तो साढ़े तीन दशक के मध्य इक्का-दुक्का सुयोग्य चिकित्सकों को छोड़ दिया जाए तो लगभग सारा समय सुयोग्य चिकित्सकों के चाह और अभाव में बीत गया। लगभग पच्चास गांवों से भी अधिक जुड़े गांवों के लोगों के स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के बेहतर इलाज का उक्त अस्पताल से भरोसा जागा उभरते दौर में स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के निदान का माध्यम भी बना।आज की उसकी दयनीय दशा अवदशा के रूप में

बदल चुकी है। बरसात के दौरान छत से झरता पानी झील में तब्दील होता अस्पताल का हर कक्ष जांच सुविधाओं का पूरा अभाव सबके सब मायूसी के कारण बने पड़े हैं। क्षेत्र का धर्मागतपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विगत चार महीने से चिकित्सक विहीन बना पड़ा है।अब तक किसी सुयोग्य चिकित्सक की नियुक्ति नहीं हो पाई है। जिसके चलते उक्त अस्पताल स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल रहा है। जहां एक तरफ जनपद का स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपने को हाईटेक होने का दावा कर रहा है। वहीं चिकित्सक के अभाव में सरकारी अस्पताल में व्यवस्था दम तोड़ते नजर आ रही है। ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था मजबूत करने के ध्येय से स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आज निष्कृय होता दिखाई दे रहा है। छोटे-छोटे इलाज के लिए आ रहे मरीज को यह कहकर लौटाया जा रहा है की यहां डाक्टर साहब नहीं है।यह जानकारी मिलते ही मरीजों को लौटने की मजबूरी है। गौरतलब हो हो कि जनपद के आखिरी छोर पर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धर्मागतपुर के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिली थी। लेकिन कुछ वर्षों बाद ही यह व्यवस्था धराशाई होने लगी और मरीजों में निराशा छाने लगी। जब आए दिन स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सक विहीन होने लगा। तो लोगो का उक्त अस्पताल से भरोसा उठने लगा। मरीजों की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिलने लगी है।पूर्व में उक्त पीएससी पर तैनात चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अजय कुमार का स्थानांतरण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धामूपुर पर कर दिया गया। चार माह बाद भी उक्त अस्पताल चिकित्सक विहीन होकर शो पीस बना हुआ है। मरीजों की समस्या के साथ-साथ सबसे बड़ी समस्या थाना पर आने वाले मेडिको लीगल केस के रोगियों की है। जहां चिकित्सक नहीं रहने से रोगियों को 12 किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखनिया जाना पड़ रहा है। इस बारे में बात करने पर सीएमओ डॉक्टर देश दीपक पाल का एक ही जवाब रहता है की शासन द्वारा चिकित्सक नहीं भेजा जा रहा है। अभी तक जनपद में जरूरत से आधे ही चिकित्सक तैनात हैं। जब तक शासन द्वारा चिकित्सक नहीं भेजा जायेगा तब तक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक की कमी बनी रहेगी। ऐसे जवाब से उन ग्रामीणों में स्वास्थ्य विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है कि अगर अस्पताल खोलकर चिकित्सक की तैनाती नहीं की जाएगी तो ऐसे अस्पताल को बंद करना ही उचित होगा। कम से कम सरकार का लाखों रुपए महीने का कर्मचारी का खर्च तो बचेगा। ग्रामीण हरिवंश चौहान, ग्राम प्रधान संजय राजभर, पूर्व प्रधान मनीष यादव,अमेरिका चौहान, राजेंद्र चौहान , भरत राजभर, अरविंद पांडेय श्याम नगीना सहित अन्य लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक के तैनाती की मांग की है। अन्यथा शोपीस बने अस्पताल को बंद कर यहां से कर्मचारियों को अन्यत्र भेजने की मांग भी शासन से की है।

अटेंशन प्लीज! फ्रूट जूस बेच रही कंपनियां व उपभोक्ता गंभीरता से ध्यान दें

वैश्विक स्तर पर दुनियां के हर देश में मानवीय स्वास्थ्य के ऊपर गंभीरता से ध्यान दिया जाता है। वर्तमान समय में हर देश अपने-अपने वार्षिक बजट में स्वास्थ्य विभाग को अधिक धन एलोकेट करने की कोशिश करता है ताकि अपने स्वास्थ्य विभाग को आधुनिक संसाधनों व इंफ्रास्ट्रक्चर से अधिक मजबूत किया जा सके। विशेष रूप से यह गंभीरता कोविड-19 के भयंकर दुष्परिणाम के कारण आई है,क्योंकि इसके भीषण नकारात्मक नतीजे को दुनिया के हर देश ने भुगते है। स्वास्थ्यसेवा को गंभीरतासे लेनें की बात आज हम इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि भारत की खाद्य सुरक्षा मानक एजेंसी एफएसएसएआई ने हाल ही में एक आदेश जारी किया है कि फ्रूट जूस बेच रही कंपनियों के लेबल,खड्डे, डब्बे पर 100 प्रतिशत केवल फलों के रस का दावा किया जाता है जो के कानून के हिसाब से बिल्कुल उचित नहीं है, क्योंकि खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम 2008 में 100 प्रतिशत दावा करने का कोई प्रावधान है ही नहीं,इसलिए इस दावों को सभी कंपनियां 1 सितंबर 2024 से पहले सभी जूस प्री प्रिंटेड पैकेज सामग्रियों से हटाने का आदेश जारी किया गया है क्योंकि इसका सीधा-सीधा संबंध मानवीय स्वास्थ्य से है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम 2018 में 100प्रतिशत दावा करने का कोई प्रावधान नहीं है।

साथियों बात अगर हम हाल ही में जारी एफएसएसएआई के आदेश की करें तो, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर (एफबीओ) को अपने प्रोडक्ट पर 100 प्रतिशत फलों के जूस के दावे को हटाने का निर्देश दिया है,खाद्य नियामक ने कहा कि इस तरह के दावे भ्रामक हैं, खासकर उन स्थितियों में जहां फलों के रस का मुख्य घटक पानी है और प्राथमिक घटक यानी जिसके लिए दावा किया गया है, केवल सीमित सांद्रता (कॉन्सट्रेशन) में मौजूद है। वहीं फलों के रस को पानी और फलों के सांद्रण का उपयोग करके पुनर्गठित किया जाता है। एफबीओ को खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य योजक) विनियमन, 2011 के नियमों के तहत फलों के जूस के मानकों का अनुपालन करने के लिए कहा गया है। देशभर में तमाम ब्रांड के डिब्बाबंद या पैकेज्ड जूस पर 100 प्रतिशत फलों का जूस लिखने का दावा किया जाता रहा है। फलों का जूस हम सभी पीना पसंद करते हैं,क्योंकि फलों के जूस को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या हम जो जूस पी रहे हैं उसमें 100 प्रतिशत जूस है? हाल ही में खाद्य उद्योग में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रामक दावों को रोकने के उद्देश्य से एफएसएसएआई ने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर (एफबीओ) को अपने प्रोडक्ट पर 100 प्रतिशत फलों के जूस के दावे को हटाने का निर्देश दिया है। इस अधिदेश में प्रींटेड लेबल किसी भी दावे के साथ-साथ वस्तुओं के विज्ञापन भी शामिल हैं। एफएसएसएआई के अनुसार, यदि एडेड न्यूट्रिशन स्वीटनर 15 ग्राम/किग्रा से अधिक है, तो प्रोडक्ट को स्वीट जूस लेबल किया जाना चाहिए. इसके अलावा, निर्देश में कहा गया है कि ब्रांडों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इंग्रीडिएंट लिस्ट का मसौदा तैयार करते समय कंसन्ट्रेट से रेकॉन्स्टिटूड जूस के नाम के सामने रेकॉन्स्टिटूड शब्द का उल्लेख किया गया है।एफएसएसएआई ने 100 प्रतिशत फलों के जूस के रूप में विज्ञापन वाले प्रोडक्ट के बारे में उनके भ्रामक दावों के लिए ब्रांडों को फटकार लगाई है।वास्तव में, ये अक्सर कई प्रकार के रेकॉन्स्टिटूड फलों के जूस बन जाते हैं। एफएसएसएआई बताता है, फलों के जूस का मेन इंग्रीडिएंट पानी है और प्राइमरी इंग्रीडिएंट, जिसके लिए दावा किया गया है, केवल सीमित कंसन्ट्रेटशन में मौजूद होता है, या जब फलों के जूस को पानी और फलों के कंसन्ट्रेट या गूदे का उपयोग करके रेकॉन्स्टिटूड किया जाता है। इसने स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 के अनुसार, 100 प्रतिशत दावा करने का कोई प्रावधान नहीं है।आधिकारिक बयान के अनुसार, कंपनियों को ऐसे दावों वाली पहले से प्रिंट सामग्रियों को भी 1 सितंबर 2024 तक खत्म करने का निर्देश है एफएसएसएआई के ध्यान में आया है कि कई खाद्य कंपनियां विभिन्न प्रकार के डिब्बाबंद (पुनर्गठित) जूस को 100 प्रतिशत फलों के जूस होने का दावा करके गलत तरीके से विपणन कर रही हैं। खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 के अनुसार, डिब्बाबंद जूस को 100 फीसदी फलों के रस होने का दावा करने का कोई प्रावधान नहीं है। इस तरह के दावे भ्रामक हैं, खासतौर पर उन स्थितियों में जहां फलों के रस का मुख्य घटक पानी है और फल के रस का सीमित मात्रा में उपयोग किया जाता है। इससे पहले, अप्रैल मे एफएसएसएआई ने एफबीओ को हेल्दी ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक के रूप में बेचे जा रहे प्रोप्राइटरी फूड को फिर से कैटेगराइज करने के लिए कहा था. इसने उन्हें अपनी वेबसाइटों पर हेल्दी ड्रिंक/एनर्जी ड्रिंक की कैटेगरी से ऐसे ड्रिंक को हटाने या डी-लिंक करके गलत वर्गीकरण को सुधारने और ऐसे प्रोडक्ट को मौजूदा कानून के तहत प्रदान की गई उचित कैटेगरी में रखने का निर्देश दिया।

साथियों बात अगर हम खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम 2018 को जानने की करें तो, खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने भारत में खाद्य व्यापार संचालकों द्वारा खाद्य उत्पादों पर विज्ञापन और दावों की निगरानी के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 जारी किए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा-53 के तहत झूठे विज्ञापन और दावे प्रतिबंधित हैं और दंडनीय अपराध हैं। एफएसएसएआई भारत में विभिन्न खाद्य व्यापार संचालकों द्वारा किए गए विभिन्न स्वास्थ्य दावों के बारे में सोशल मीडिया सहित मीडिया रिपोर्टों की निगरानी कर रहा है। इसने उपरोक्त की निगरानी और विनियमन के लिए एफएसएस (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 जारी किए हैं। झूठे विज्ञापन और दावे निषिद्ध हैं और एफएसएस अधिनियम, 2006 की धारा-53 के तहत दंडनीय अपराध हैं।किए गए हर दावे को विनियमन में दिए गए मानदंडों को पूरा करना चाहिए, बिना झूठ या अतिशयोक्ति के। पोषक तत्व कार्य और अन्य कार्यात्मक दावे वर्तमान वैज्ञानिक साक्ष्य पर आधारित होने चाहिए। दावा किए गए स्वास्थ्य लाभ अच्छे नैदानिक अभ्यास के अनुसार, स्थापित शोध संस्थानों द्वारा किए गए नैदानिक अध्ययनों से सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण परिणामों पर आधारित होने चाहिए और उन्हें सहकर्मी की समीक्षा वाली वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित किया जाना चाहिए। अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, लाइसेंसिंग सह नामित अधिकारी (केंद्रीय और राज्य स्तर) एफबीओ को वैज्ञानिक साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं। ऐसा करने में विफल रहने या असंतोषजनक प्रतिक्रिया के मामले में, एफबीओ को अपने दावों को संशोधित करना होगा। यदि एफबीओ उपरोक्त में से कोई भी कार्य करने में विफल रहता है, तो उन पर लाइसेंस के निलंबन/रद्दीकरण आदि के साथ-साथ 10 लाख रुपये तक का जुमार्ना (एफएसएस अधिनियम 2006 की धारा 53 के तहत) लगाया जाएगा।

संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

इस्राइल-हमास के बीच जल्द युद्धविराम के संकेत अमेरिकी विदेश मंत्री ने नेतन्याहू से की मुलाकात

तेल अवीव। इस्राइल और हमास के बीच पूर्ण युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गई हैं और दोनों पक्षों से इसे लेकर बातचीत चल रही है। इसी मुद्दे पर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशियाई देशों के दौरे पर हैं। सोमवार को एंटनी ब्लिंकन ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस मुलाकात में बंधक प्रस्ताव और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के मुद्दे पर बातचीत हुई। अमेरिका के विदेश विभाग ने बयान जारी कर बताया कि 'विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से यरूशलम में मुलाकात की। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिका और अन्य वैश्विक नेता राष्ट्रपति बाइडन द्वारा तैयार कराए गए शांति प्रस्ताव के समर्थन में हैं और इस प्रस्ताव से गाजा में शांति आ सकती है। इस शांति समझौते के तहत हमास सभी बंधकों को रिहा करेगा और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने का भी रास्ता साफ होगा।' गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कराया है। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी पेश किया गया, जहां से उसे 14-0 के मुकाबले से मंजूरी मिल गई। रूस ने इस वोटिंग से खुद को दूर रखा और बाकी अन्य देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। बाइडन ने दावा किया है कि इस्राइल ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस युद्धविराम पर चर्चा के लिए एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन का यह पश्चिम एशिया का सातवां दौरा है। इस दौरे में ब्लिंकन 10-12 जून तक मिस्त्र, इस्राइल, जॉर्डन और कतर का दौरा करेंगे और युद्धविराम प्रस्ताव को लेकर चर्चा करेंगे। अमेरिका के विदेश विभाग का कहना है कि मौजूदा युद्धविराम समझौता इतना प्रभावी है कि इससे भविष्य में इस्राइल पर 7 अक्तूबर जैसा हमला नहीं होगा और इससे इस्राइल की सुरक्षा भी पुख्ता होगी और इस्राइल की उत्तरी सीमा भी सुरक्षित होगी। इस्राइल-हमास के बीच युद्ध की शुरूआत इस्राइल पर 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमले से हुई। जिसमें हमास के लड़ाकों ने इस्राइल की सीमा में घुसकर लोगों को मारा और बड़ी संख्या में इस्राइली नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले में इस्राइल के 1200 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में हमास के खिलाफ ऑपरेशन चलाया और अब तक इस्राइल के हमलों में गाजा में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और गाजा खंडहर में तब्दील हो चुका है।

जिरीबाम हिंसा से छह माह पहले राज्य सरकार ने डीजीपी को लिखा था पत्र, सुरक्षा बढ़ाने के दिए थे निर्देश

इंफाल। मणिपुर में लंबे समय से संघर्ष जारी है। प्रदेश के जिरीबाम जिले में हुई हिंसा से छह माह पहले राज्य सरकार ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तीन बार पत्र लिखकर सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहा था। राज्य सरकार ने डीजीपी को बार-बार जिरीबाम में कुकी विद्रोहियों द्वारा उत्पन्न खतरों को रोकने के लिए कहा था। मणिपुर के जिरीबाम में रविवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दो पुलिस चौकियों, वन विभाग के बीट ऑफिस सहित 70 से अधिक घरों को आग के हवाले कर दिया था। आग लगाने के बाद हथियारों से लैस संदिग्ध उग्रवादी गांवों में बेखौफ घूमते नजर आए। हालात की गंभीरता को देखते हुए मणिपुर पुलिस की एक कमांडो टुकड़ी को शनिवार सुबह इंफाल से हवाई मार्ग से जिरीबाम भेजा गया। अन्य जिलों से भौ सुरक्षाबल भेजे गए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उग्रवादियों ने शुक्रवार मध्यरात्रि करीब 12:30 बजे बराक नदी के किनारे चोटोबेकरा और जिरी पुलिस चौकी में आग लगा दी। उग्रवादियों ने लमताई खुनौ, मोधुपुर इलाके में अंधेरे का फायदा उठाकर कई हमले किए और जिले के बाहरी इलाकों में 70 से ज्यादा घरों को आग लगा दी थी। मणिपुर के जिरीबाम जिले में हालिया हिंसा से प्रभावित लोग अब सुरक्षा के लिए असम के कछार जिले का रुख कर रहे हैं। अधिकतर लोग जिले के लखीपुर और जिरीघाट में शरण लिए हुए हैं। लखीपुर विधायक कौशिक राय ने सोमवार को यह जानकारी दी। वहीं, जिले के पुलिस अधीक्षक नुमल महत्तो के मुताबिक, शनिवार को मणिपुर के जिरीबाम क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद से लगभग 600 लोग जिले में शरण लेने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि कछार- जिरीबाम जिले के साथ सीमा साझा करता है। इस वजह से इस अंतरराज्यीय सीमा पर सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। दरअसल,शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने जिरीबाम में दो पुलिस चौकियों, वन विभाग के एक दफ्तर और कम से कम 70 घरों को आग के हवाले कर दिया था।

अग्रवाल दंपति और बिचौलिए की पुलिस हिरासत बढ़ी ब्लड सैंपल अदला-बदली में 14 तक होगी पूछताछ

पुणे। पुणे की एक अदालत ने सोमवार को पोर्श कार दुर्घटना में कथित रूप से शामिल 17 वर्षीय किशोर के माता-पिता और एक अन्य आरोपी की पुलिस हिरासत 14 जून तक बढ़ा दी है। पुलिस ने अदालत को बताया कि किशोर के माता-पिता द्वारा रक्त के नमूने नष्ट करने की प्रबल संभावना है। इसलिए, उनसे पूछताछ की आवश्यकता है। बता दें कि 19 मई को पुणे के कल्याणी नगर इलाके में पोर्श कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे में बाइक सवार दो आईटी पेशेवरों की मौत हो गई थी। कार को 17 वर्षीय नाबालिग द्वारा नशे में चलाने का आरोप था। इस मामले में किशोर के रक्त के नमूने लिए गए थे। जांच में पता चला कि 19 मई को ससून जनरल अस्पताल में किशोर के नमूनों से उसकी मां के रक्त के नमूने बदल दिए गए। रक्त के नमूनों की अदला-बदली में संदिग्ध भूमिका होने पर पुलिस ने किशोर के पिता और बिल्डर विशाल अग्रवाल और मां शिवानी अग्रवाल को गिरफ्तार किया था। शिवानी अग्रवाल को 1 जून को इस खुलासे के बाद गिरफ्तार किया गया था कि किशोर के रक्त के नमूनों को उसके रक्त के नमूनों से बदल दिया गया था। उनके पति विशाल अग्रवाल को कथित तौर पर सबूत नष्ट करने में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अग्रवाल दंपति के अलावा पुलिस ने अशपाक मकंदर को भी अदालत में पेश किया। अशपाक पर आरोप है कि उसने रक्त के नमूनों की अदला-बदली के लिए सरकारी ससून अस्पताल के डॉक्टर और किशोर के पिता विशाल अग्रवाल के बीच बिचौलिया के रूप में काम किया।

एपल और चैट जीपीटी की साझेदारी पर भड़के मस्क, प्रतिबंध लगाने की दी धमकी

वॉशिंगटन। आईफोन निमार्ताओं ने जैसे ही ओपनएआई के साथ साझेदारी का एलान किया, उसके कुछ घंटे बाद ही मशहूर उद्योगपति एलन मस्क ने इस पर नाराजगी जताई और अपने कंपनी परिसर में एपल फोन के इस्तेमाल पर ही प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। मस्क का कहना है कि दोनों कंपनियों के बीच की यह साझेदारी सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है और इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि एपल के सीईओ टिम कुक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट में कुक ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) को एपल डिवाइस में और बेहतर करने का एलान करते हुए चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के साथ साझेदारी का एलान किया। इस एलान के कुछ घंटे बाद ही एलन मस्क ने टिम कुक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि 'एपल की डिवाइस में चैटजीपीटी नहीं चाहिए। या तो इस घटिया सॉफ्टवेयर को एपल डिवाइस में इंटीग्रेट करने पर रोक लगनी चाहिए या फिर वह अपनी कंपनी के परिसर में एपल डिवाइस को इस्तेमाल करने पर ही प्रतिबंध लगा देंगे।' तकनीक की दिग्गज कंपनी एपल ने अपने आईफोन, आईपैड, मैक आदि में सोमवार से एपल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल शुरू करने का एलान किया। यह एक तरह का निजी इंटेलीजेंस सिस्टम बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एपल इंटेलीजेंस एपल सिलिकॉन की ताकत को बढ़ाएगा, जिससे लोगों को काफी सुविधाएं मिलेंगी। मस्क ने एक पोस्ट में लिखा कि अगर एपल डिवाइस में ओपनएआई को ऑपरेटिंग सिस्टम के स्तर पर इंटीग्रेट किया गया, तो वे एपल के फोन का इस्तेमाल अपनी कंपनी में प्रतिबंधित कर देंगे। मस्क ने सवाल उठाया कि 'क्या एपल जैसी कंपनी इतनी काबिल नहीं है कि वह खुद का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस बना सके। एपल को पता नहीं है कि असल में क्या चल रहा है। एक बार एपल आपका डाटा ओपनएआई को देगी और इसे बेच देंगे।'

'हिजाब' पहनने से मना करने पर शिक्षिका का इस्तीफा

कोलकाता। कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध एलजेडी लॉ कॉलेज की शिक्षिका संजीदा कादर ने इस बात से दुखी होकर पांच जून को इस्तीफा दे दिया, क्योंकि उन्हें कॉलेज अधिकारियों ने 31 मई के बाद कार्यस्थल पर हिजाब पहनकर आने से मना किया था। इस बीच शिक्षिका ने कॉलेज आना भी बंद कर दिया। हालांकि, मामला सार्वजनिक होने पर हंगामा मचता देख कॉलेज अधिकारियों ने अपनी सफाई पेश की। उन्होंने दावा किया कि गलत संचार की वजह से ये सब हुआ है। शिक्षिका अपना इस्तीफा वापस लेने के बाद 11 जून से कॉलेज वापस आएंगी। जानकारी के अनुसार, संजीदा कादर पिछले तीन सालों से एलजेडी लॉ कॉलेज में बतौर शिक्षिका कार्यरत थीं। इस साल मार्च-अप्रैल से वह कार्यस्थल पर हेडस्कार्फ पहनकर पहुंच रही थीं। इस बीच कॉलेज के अधिकारियों ने उन्हें 31 मई के बाद कार्यस्थल पर हिजाब न पहनने का निर्देश दिया था। इस निर्देश के बाद संजीदा ने 5 जून को अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि कॉलेज गवर्निंग बॉडी के आदेश से मेरे मूल्यों और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिसके चलते मैंने इस्तीफा देने का कदम उठाया। सूत्रों के अनुसार, संजीदा का इस्तीफा सार्वजनिक होने के बाद मामला तूल पकड़ता देख कॉलेज अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया। इस दौरान कॉलेज अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि यह केवल एक गलत संचार था। उन्होंने संजीदा को स्पष्ट किया कि काम के घंटों के दौरान सिर को कपड़े से ढकने के लिए उन्हें कभी मना नहीं किया गया था।

हमास से जंग के बीच इस्राइल ने लेबनान पर किया हमला, हिजबुल्ला के तीन सदस्य मारे गए

बेरूत। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इस्राइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइल ने लेबनान में टैंकरों के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में हिजबुल्ला के तीन सदस्य भी मारे गए। हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरूआत की थी। इसके बाद हमास के आर्तकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आर्तकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है। हमास के साथ जारी जंग के बीच हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को निशाना बनाया है। लेबनान में आठ महीने से अधिक समय से जारी हिंसा में कम से कम 462 लोग मारे गए हैं, जिनमें लगभग 90 नागरिक और लगभग 300 हिजबुल्ला लड़ाके शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सैन्य सूत्र के हवाले से बताया गया इस्राइल ने सीरिया की सीमा पर स्थित हरमेल जिले के एक गांव में टैंकरों के एक काफिले और एक इमारत को निशाना बनाया।

अमेरिका से चीन गए आईओवा कॉलेज के प्रशिक्षकों पर हमला, पार्क में किया गया चाकू से वार

अमेरिका। अमेरिका के आईओवा कॉलेज के प्रशिक्षक चीन में अपने साथी यूनिवर्सिटी की यात्रा पर गए थे, लेकिन एक वहां उनपर चाकू से हमला कर दिया गया। यह घटना एक सार्वजनिक पार्क में घटी, जहां अमेरिकी प्रशिक्षकों पर चाकू से हमला किया गया। इस हमले में प्रशिक्षक घायल हो गए। इस घटना के बाद स्कूल के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने कहा, हम सभी चारों प्रशिक्षकों के संपर्क में हैं और उनकी मदद कर रहे हैं। स्कूल के प्रवक्ता जेन विसर ने कहा, यह घटना जिलिन शहर में घटी और पार्टनर स्कूल बिहुआ यूनिवर्सिटी है। उन्होंने आगे बताया कि अमेरिकी विदेश विभाग इस घटना से अवगत है और लगातार नजर बनाए हुए हैं।

'संसद सत्र तक एनडीए में होंगे 300 सांसद', अजित पवार बोले- विपक्ष ने भ्रम फैलाकर जीता चुनाव

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष अजित पवार ने सोमवार को दावा किया कि संसद सत्र तक भाजपा-नीत गठबंधन में सांसदों का आंकड़ा 300 तक पहुंच जाएगा। उन्होंने पार्टी के 25वें स्थापना दिवस पर केंद्रीय मंत्रिपरिषद में स्थान न मिलने के बावजूद एनडीए के साथ रहने की प्रतिबद्धता जताई और अक्तूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतने का संकल्प दोहराया। अजित पवार की एनसीपी ने पार्टी का स्थापना दिवस समारोह मुंबई में मनाया तो चाचा शरद पवार ने पुणे स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अपनी पुत्री एवं सांसद सुप्रिया सुले और अन्य नेताओं व कार्यकताओं की मौजूदगी में पार्टी का झंडा फहराने के बाद शरद पवार ने कार्यकताओं से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। एनसीपी संस्थापक ने कहा, पिछले 25 साल में हमने पार्टी की विचारधारा फैलाने की दिशा में काम किया है। अगले तीन महीनों में राज्य विधानसभा चुनाव होंगे और इसके लिए काम करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है क्योंकि चुनावों के बाद राज्य की सत्ता आपके हाथों में होगी। अजित पवार ने कहा, लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने का भ्रम फैलाया गया, जिससे हमें नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि महा विकास अघाड़ी को 43.90 प्रतिशत मत मिला जिससे उनकी 30 सीटों पर जीत मिली जबकि महायुति को 43.30 फीसदी मत मिले और हमें 17 सीटें मिली। उन्होंने कहा कि यह पूरा चुनाव लोगों में संदेह पैदा करके जीता गया। लेकिन विधानसभा चुनाव में ऐसा नहीं होगा। हम तीनों सहयोगी पूरे समन्वय के साथ मजबूती से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और राज्य में महायुति की सरकार बनाएंगे।

संक्षेप

संघ कार्यकर्ता के दावे से बंगाल में सियासी भूचाल, अब कहा- मालवीय पर यौन शोषण के नहीं लगाए आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में संघ से जुड़े एक कार्यकर्ता के सोशल मीडिया पोस्ट से राज्य में नया सियासी भूचाल आ गया है। दरअसल संघ कार्यकर्ता शांतनु सिन्हा ने भाजपा आईटी सेल के प्रमुख पर महिलाओं के यौन शोषण में लिप्त होने का आरोप लगाया था। जिसके बाद अमित मालवीय पर ऊंगली उठी और कांग्रेस ने तो बाकायदा अमित मालवीय के इस्तीफे और उच्च स्तरीय जांच की मांग कर दी। मामला बढ़ने पर अमित मालवीय ने शांतनु सिन्हा पर 10 करोड़ रुपये का मानहानि का दावा कर दिया। अब शांतनु की सफाई आई है और उसने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि उन्होंने अमित मालवीय पर महिलाओं के यौन शोषण का आरोप नहीं लगाया था।

महाराष्ट्र में ठाणे की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के ठाणे में एक फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री में आग सुबह 3 बजे लगी। आग को बुझाने की कोशिश चल रही है। फायर ब्रिगेड अधिकारी ने बताया कि जब आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया जाएगा, उसके बाद ही नुकसान का आकलन किया जा सकेगा। खबर के अनुसार, घटना ठाणे के भिवंडी तालुका के सारावली एमआईडीसी की है। आग लगने की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। वहीं महाराष्ट्र के नवी मुंबई इलाके में एक ट्रक ने फूड डिलीवरी फर्म के लिए काम करने वाले युवक की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अंजनी कुमार मौर्या के रूप में हुई है। अंजनी सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे एक ऑर्डर की डिलीवरी करने जा रहा था, तभी कोपरा इलाके में एक ट्रक ने उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिससे अंजनी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौर्या को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान का 28वां वार्षिक अधिवेशन अभूतपूर्व मिलन बेंगलुरु में हुआ संपन्न

सोनभद्र। हिन्दी तथा समाज की सेवा के प्रति पूर्णतः समर्पित विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज का 28वां वार्षिक अधिवेशन मंगलूर विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय कॉलेज, मंगलूर में दो-दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन हिंदी को बढ़ावा देने हे विमर्श के साथ संपन्न हुआ। बताते चलें कि उत्तर को दक्षिण से मिलाता यह अधिवेशन स्थल लगभग एक छोटा भारत था जहाँ पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु ,केरल और कर्नाटक के विभिन्न क्षेत्रों से हिन्दी प्रेवी एकत्रित हुए कअश्विनी कुमार , उपमहा प्रबंधक (व्यवसाय विकास) बैंक ऑफ बड़ौदा अंचल कार्यालय मंगलुरु ने इस अधिवेशन का उद्घाटन किया। डॉ प्रेम तन्मय , सदस्य संसदीय सलाहकार समिति कोल मंत्रालय , बेंगलुरु इस अधिवेशन के मुख्या अतिथि रहे। प्रो गणपति गौड़ा ,प्राचार्य विश्वविद्यालय कॉलेज मंगलुरु ने इस अधिवेशन की अध्यक्षता की। प्रारंभ में यह संस्था केवल प्रयागराज तक सीमित थी किंतु अब यह संपूर्ण भारत और विश्व को समेटे हुए है। इस अधिवेशन के तीन मुख्य बिंदु थे। प्रथम - संस्थान की मासिक पत्रिका 'विश्व स्नेह समाज' का विशेषांक 'हिन्दीतर भाषी क्षेत्रों में हिन्दी का प्रचार-प्रसार' का लोकार्पण । दूसरा-विद्वानों और समाज सेवियों को उपाधि व सम्मान प्रदान करना जिसके अतंर्गत वी०एस० शांताबाई, बंगलौर, कर्नाटक को मरणोपरान्त अति विशिष्ट हिन्दी सेवी उपाधि, डॉ० शहाबुद्दीन नियाज मुहम्मद शेख,पुणे महाराष्ट्र (मरणोपरान्त) विहिसा सरताज, डॉ० सीमा वर्मा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश को लघु कथा सम्राट-2023 की उपाधि, प्रो० मुरलीधर नायक, मंगलुरु, कर्नाटक को समाज श्री सम्मान, डॉ नजमा ए मलिक, नवसारी, गुजरात, राष्ट्रभाषा सम्मान, ओमप्रकाश त्रिपाठी, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश को डॉ० शहाबुद्दीन नियाज मुहम्मद शेख सम्मान, प्रा० पूर्णिमा उमेश झेंडे, नासिक महाराष्ट्र को कलाश्री सम्मान, डॉ. नयना डेलीवाला, अहमदाबाद, गुजरात यशिका चतुर्वेदी, जयपुर, राजस्थान को राजरानी देवी स्मृति वचपना सम्मान, विनीता जैन, बंगलुरु, कर्नाटक, डॉ० रश्मि वी.वी. पुढपुर, छत्तीसगढ़ को मुखराम माकड़ 'माहिर' सम्मान, राकेश कुमार श्रीवास्तव, रायबरेली, उत्तर प्रदेश को कैप्टन तुकाराम रोडकर स्मृति सम्मान, मणि वेन द्विवेदी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश को राजरानी देवी स्मृति सम्मान, डॉ० सरस्वती वर्मा, महासमुन्द, छत्तीसगढ़ को

दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से सैकड़ो हिंदी सेवियों ने किया प्रतिभाग

कर्नाटक, डॉ० जी०एस० सरोजा, शिवमोगा, कर्नाटक को हिन्दी सेवी सम्मान, डॉ० रंजीत सिंह अरोरा 'अर्श', पुणे, महाराष्ट्र को नारायण राव रामटेके स्मृति सम्मान, डॉ० सुमा टी.आर., मंगलुरु, कर्नाटक को - वी०एस०शांताबाई स्मृति सम्मान, लक्ष्मीकांत वैष्णव, सक्ति, विहिसा श्री, डॉ० सीमा वर्मा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश को आखर कलश सम्मान-2023, संतोष शर्मा 'शान', हाथरस, उत्तर प्रदेश को संस्कार गौरव-2023, रतिराम गढ़वाल, रायपुर, छत्तीसगढ़ सर्वश्रेष्ठ श्रोता सम्मान पवहारी शरण द्विवेदी स्मृति न्यास द्वारा डॉ० नवनाथ रघुनाथ जगताप सोलापुर, महाराष्ट्र को हिन्दी सेवी सम्मान से सम्मानित किया गया। तीसरा इस अधिवेशन में विचार-विमर्श का विषय था- 'हिन्दी साहित्य में वृद्धों का जीवन । वृद्ध विमर्श पर तीन सत्रों में चर्चा हुई जिसमें विद्वानों, स्नातक/स्नातकोत्तर तथा हाई स्कूल के विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. धनपाल बिराजदार, महाराष्ट्र, डॉ. प्रभुसेन, मैसूर डॉ. बी.आर.पाल तथा डॉ. कल्पना प्रभु, मंगलूर अपने विचार प्रस्तुत किया। विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान के सचिव डॉ. गोकुलेश्वर कुमार द्विवेदी, अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में मंगलूर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुमा टी आर तथा डॉ. नागरत्ना राव के सहयोग से यह अधिवेशन सार्थक एवं सफल रहा। द्विदिवसीय अधिवेशन विश्व विद्यालय कॉलेज के स्नातक और परास्नातक विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन में कुल 35 विद्वज्जन भारत के सुदूर प्रदेशों से शामिल हुए तो कर्नाटक के लगभग 55 सदस्य विविध क्षेत्रों से सम्मिलित हुए। यह जानकारी दो जैसी अधिवेशन से लौट के बाद संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी ने मंगलवार को अपना मेट्रो संवाददाता से विशेष भेंट वार्ता करते हुए दी। श्री त्रिपाठी संस्थान के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता से बेहद गदगद प्दिखे और उन्होंने बताया कि हिंदी के उत्थान के लिए संस्थान पूरी सन्नाटा के साथ लगा हुआ है।

शपथ ग्रहण समारोह में दिखे रहस्यमय जानवर पर दिल्ली पुलिस की सफाई, कहा- आम घरेलू बिल्ली थी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में रविवार को राष्ट्रपति भवन में देखे गए रहस्यमय जानवर पर दिल्ली पुलिस ने सफाई दी। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के दौरान देखा गया जानवर केवल एक आम घरेलू बिल्ली थी, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह एक जंगली जानवर है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीसरी बार शपथ ग्रहण के लाइव टेलीकास्ट के दौरान राष्ट्रपति भवन में एक रहस्यमय जानवर देखा गया, जिसके बाद कुछ मीडिया चैनल दावा कर रहे हैं कि यह एक जंगली जानवर है। समारोह के एक दिन बाद दिल्ली पुलिस ने सफाई दी है। दिल्ली पुलिस ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, समारोह में एक जंगली जानवर के दावे झूठे हैं। ऐसी बेबुनियाद अफवाहों पर ध्यान न दें। बता दें कि शपथ ग्रहण समारोह के दौरान बीजेपी सांसद दुगार्दास उइके और अजय टम्टा जब शपथ ले रहे थे तो इस जानवर को देखा गया। जैसे ही वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियां देनी शुरू कर दीं। एक यूजर ने इसे तेंदुआ बताया तो दूसरे ने इसे राष्ट्रपति भवन में टहल रही पालतू बिल्ली।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

मॉन्स्टरवर्स की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बनी

लॉस एंजिलिस। वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर' लीजेंडरी और वार्नर ब्रदर्स मॉन्स्टरवर्स फ्रैंचाइजी में दुनिया भर में 57 करोड़ डॉलर यानी कि भारतीय मुद्रा में लगभग 4759 करोड़ रुपए की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म है।

यह मॉन्स्टरवर्स चैंपियन 2017 की पिछली फिल्म 'कोंग स्कल आइलैंड' से भी आगे निकल गई है। इसने 56 करोड़ 86 लाख डॉलर (भारतीय मुद्रा में लगभग 4747 करोड़ रुपए) की कमाई की थी। 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर' ब्राजील, कोलंबिया, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, मैक्सिको और यूएई समेत 35 बाजारों में सबसे अधिक कमाई करने वाली मॉन्स्टरवर्स फिल्म है। सोनी की 'घोस्टबस्टर्सः फ्रोजन एम्पायर' ईस्टर वीकेंड पर रिलीज होनी थी, जो 22 मार्च तक के लिए आगे बढ़ा दी गई थी। इसने वार्नर के लिए शानदार सप्ताहांत पर कदम रखने और उसे अपने कब्जे में लेने का सुनहरा अवसर बनाया। ऐतिहासिक रूप से जो 'क्लैश ऑफ द टाइटन्स', 'रेडी प्लेयर वन' और 2021 की 'गॉडजिला बनाम कांग' के साथ स्टूडियो के लिए एक समृद्ध लॉन्चपैड रहा है। इसने चार करोड़ 81 लाख डॉलर (भारतीय मुद्रा में लगभग 401 करोड़ रुपए) की घरेलू ओपनिंग दी थी। 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग द न्यू एम्पायर' से ईस्टर सप्ताहांत में चार करोड़ पांच लाख की उम्मीद थी।

टॉलीवुड

रामोजी फिल्म सिटी में शूट हुई थी ये ब्लॉकबस्टर फिल्में

मुंबई। हाल ही में, रामोजी फिल्म सिटी और इनाडु के संस्थापक रामोजी राव के निधन के चलते फिल्मी इंडस्ट्री को गहरा धक्का लगा। रामोजी राव फिल्म निर्माण के क्षेत्र की एक बहुत बड़ी हस्ती थे। उनके निधन की खबर से कई कलाकार शोक में डूब गए। कई सितारों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं, कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर उनसे जुड़ी यादों को सबके साथ साझा किया। रामोजी राव ने 1996 में रामोजी फिल्म सिटी को बसाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म सिटी में हर साल करीब 200 फिल्मों की शूटिंग होती है। आज हम आपको कुछ ऐसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बारे में बताएंगे जिन्हें इसी फिल्म सिटी में शूट किया गया था।

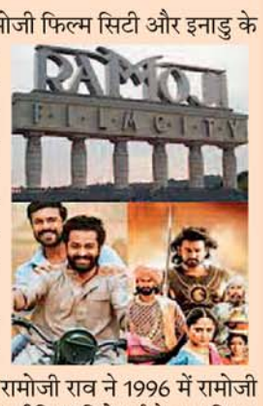

केजीएफ : यश, श्रीनिधि शेट्टी, गरुड़ा राम और अनंत नाग अभिनीत फिल्म 'केजीएफ' की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में हुई थी। इसका निर्देशन प्रशांत नील ने किया था। यह फिल्म लोगों को खूब पसंद आई थी। इसके दूसरे भाग को भी दर्शकों ने सराहा था।

बाहुबली : यह कोई कहने वाली बात नहीं है कि निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'बाहुबली' कितनी बड़ी हिट थी। फिल्म के दोनों भाग ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था।

सलार : प्रशांत नील की फिल्म 'सलार' भी इसी जगह शूट हुई थी। इस फिल्म में प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन ने काम किया है। फिल्म पिछले साल 22 दिसंबर को रिलीज हुई थी। इसके दूसरे भाग पर भी काम चल रहा है। फिल्म में दो दोस्तों की कहानी दिखाई गई है।

भोजपुरी

मोनालिसा से लेकर रानी चटर्जी तक, इन एक्ट्रेसेस का नहीं है यूपी-बिहार से कनेक्शन

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा में काम करने वाली कई एक्ट्रेसेस यूपी-बिहार की ही रहने वाली हैं। लेकिन कुछ ऐसी भी एक्ट्रेसेस हैं जिनका इन राज्यों से कोई भी कनेक्शन नहीं है। कलाकरों को जहां काम मिलता है वो उसी जगह के हो जाते हैं। ऐसी ही कुछ एक्ट्रेसेस भी हैं जिनकी पहचान भोजपुरी कलाकरा के तौर पर तो है लेकिन असल में वो भोजपुरी नहीं हैं। मुंबई की रहने वाली रानी चटर्जी ने भोजपुरी सिनेमा में अच्छी-खासी पहचान बनाई है। रानी को भोजपुरी सिनेमा की दबंग एक्ट्रेस कहते हैं जो एक मुस्लिम परिवार को बिलॉन्ग करती हैं। भोजपुरी फिल्मों की स्टार मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। मोनालिसा ने हिंदी सीरियल में भी काम किया है, लेकिन भोजपुरी फिल्मों में उन्हें लोकप्रियता मिली। कोलकाता में जन्मीं मोनालिसा बंगाली हैं और ब्राह्मण परिवार से बिलॉन्ग करती हैं। एक्ट्रेस पाखी हेगड़े महाराष्ट्रियन हैं और इन्होंने कुछ मराठी फिल्मों में भी काम किया है। लेकिन पाखी की पहचान भोजपुरी फिल्मों में ज्यादा बनी और लोग उन्हें उसी से पहचानते हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस काजल राघवानी ने करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म इंडस्ट्री से की थी। काजल गुजरात की रहने वाली हैं लेकिन भोजपुरी सिनेमा से इन्हें पहचान मिली। भोजपुरी म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकीं नेहा मलिक बिहार या यूपी से हैं ही नहीं नेहा मुंबई की रहने वाली हैं लेकिन खेसारी लाल यादव के साथ काम कर चुकी हैं। भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस एक्ट्रेस नम्रता मल्ला काफी फेमस हैं। नम्रता दिल्ली की रहने वाली हैं, मॉडलिंग वहीं से शुरू कीं लेकिन भोजपुरी फिल्मों से करियर की शुरुआत की। भोजपुरी सिनेमा की एक्ट्रेस शुभी शर्मा राजस्थान से बिलॉन्ग करती हैं। भोजपुरी सिनेमा में अभी इनकी शुरुआत है लेकिन सोशल मीडिया पर इन्हें लाखों लोग फॉलो करते हैं।

लाइफ स्टाइल

क्यूट पिंक आउटफिट पर थम जाएंगी निगाहें

क्यूट एक्ट्रेस अनन्या पांडे को पपराजी ने हाल ही में एक इवेंट से पहले अपने कैमरे में कैप्चर किया। इस दौरान अनन्या पांडे बेहद गॉर्जियस लग रहीं थीं। इन तस्वीरों में अनन्या पांडे पिंक कलर के टॉप और लोअर में काफी क्यूट लग रहीं हैं, जिन पर फैंस दिल हार बैठे हैं। अनन्या पांडे इन फोटोज में एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रहीं हैं। स्मोकी एंड न्यूड मेकअप के साथ मैच करते हुए अनन्या पांडे ने इस दौरान अपने बालों को खुला छोड़ा है। अनन्या पांडे ने अपने इस लुक को इयररिंग्स और हील्स के साथ एक्सेसराइज किया। सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे के लाखों फैंस हैं, जो उनके हर लुक पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते नजर आते हैं।

सूती साड़ी में दिखाना है खूबसूरत अंदाज तो लें इन अभिनेत्रियों के लुक से टिप्स

फैशन

गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। नई दिल्ली में कई जगहों पर तापमान 50 डिग्री के पार हो गया है। लोगों को घर से बाहर निकलने में दिक्कत हो रही है। ऐसे में मौसम विभाग लगातार लोगों को यह सलाह दे रहा है कि वह जितना हो सके वो घर में ही रहे और अगर बाहर निकलना है पूरी तैयारी के साथ निकलें। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सूती कपड़े पहनने की सलाह दी है।

गर्मी के मौसम में सूती कपड़े काफी आरामदायक होता है। ऐसे में हर कोई सूती कपड़े पहनकर घर से बाहर निकल रहा है। अगर आप भी साड़ी पहनना चाहती हैं, लेकिन आपको समझ में नहीं आ रहा है कि गर्मी में किस तरह की साड़ी खरीदें तो हम आपको कुछ अभिनेत्रियों के लुक्स दिखाने जा रहे हैं। इन अभिनेत्रियों की तरह साड़ी पहनकर आप गर्मी में भी अपना खूबसूरत अंदाज दिखा सकती है। ये अभिनेत्रियां गर्मियों के मौसम में अक्सर कॉटन की साड़ी पहने ही देखी जाती हैं। ऐसे में आप इसे टिप्स ले सकती हैं।

दीया मिर्जा : डबल रंग की ये कॉटन की साड़ी देखने में काफी खूबसूरत लग रही है। आप चाहें तो आप भी ऐसा डीपनेक ब्लाउज कॉटन की साड़ी के साथ कैरी कर सकती हैं। इसके साथ अपने बालों को खुला रखें।

रानी मुखर्जी : अगर अपने दफ्तर में कॉटन की साड़ी पहनना चाहती हैं तो रानी मुखर्जी का ये लुक आपके लिए परफेक्ट है। इसके साथ कॉलर वाला ब्लाउज आपको बॉस लेडी दिखने में मदद करेगा। आप इसके साथ चश्मा पहनकर आप अपना स्टाइलिश अंदाज दिखा सकती हैं।

कोंकणा सेन शर्मा : हमेशा अपने ग्लैमरस लुक की वजह से लोगों का दिल जीतने वाली कोंकणा कॉटन की साड़ी में बला की खूबसूरत लग रहीं हैं। आप भी चाहें तो उन्हीं की तरह ऐसा स्लीवलेस ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। ये देखने में अच्छा लगता है।

मनीषा कोइराला : हीरामंडी वेब सीरीज से एक बार फिर लोगों को अपना दीवाना बनाने वाली मनीषा कोइराला का ये साड़ी लुक बेहद खूबसूरत है। आप चाहें तो इस तरह की साड़ी के साथ अलग रंग का ब्लाउज पहनकर आप अपना खूबसूरत अंदाज दिखा सकती हैं।

गर्मियों में आपका चेहरा चमकाएंगी ये पत्तियां

इस भीषण गर्मी में अपनी सेहत और त्वचा का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। अगर खानपान का ध्यान ना रखा जाए तो कई तरह की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं। इसके साथ शरीर में भी घमौरियां, एक्ने, मुंहासे अन्य समस्याएं जन्म देने लगती हैं। ऐसे में लोग गर्मी से बचने के लिए कई तरह के उपाय करते हैं। वैसे तो पार्लर में पैसे खर्च करके आप आसानी से स्किन केयर कर सकते हैं, लेकिन अगर आपके पास पार्लर जाने का समय नहीं है तो आप घर पर ही स्किन केयर कर सकते हैं।

एलोवेरा की पत्तियां

लगभग हर घर में एलोवेरा का पौधा जरूर होता है। एलोवेरा में मौजूद तत्व त्वचा संबंधी कई परेशानियों से राहत दिलाने का काम करते हैं। इसका इस्तेमाल टैनिंग दूर करने से लेकर मुंहासों के खात्मे तक के लिए किया जाता है। ऐसे में आप भी स्किन केयर में इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

नीम की पत्तियां

अगर आपके घर के पास नीम का पेड़ है तो इनकी पत्तियों का इस्तेमाल आप कई तरह से स्किन केयर में कर सकते हैं। आप नहाने के पानी में भी नीम की पत्तियां डालकर उस पानी से नहाएंगे तो घमौरियों जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा नीम की पत्तियों का इस्तेमाल फेस पैक में भी कर सकते हैं।

धनिया की पत्तियां

एंटीफंगल और रोगाणुरोधी तत्वों के कारण धनिया की पत्तियां कीटाणुनाशक और डिटॉक्सीफायर के रूप में कार्य करती हैं। इसका पैक बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है।

पुदीना की पत्तियां

गर्मी के मौसम में पुदीने का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। शरीर के साथ-साथ त्वचा का ख्याल रखने के लिए भी पुदीना का इस्तेमाल किया जा सकता है। पुदीने की पत्तियां त्वचा संबंधी कई परेशानियों को दूर करती हैं।

बालों को लंबा और घना बनाएगा भिंडी का जैल और कंडीशनर

बालों की देखरेख के लिए बाजार में तरह-तरह के जैल और कंडीशनर मिलते हैं। लेकिन, घर पर भी बालों की देखरेख के लिए हेयर जैल बनाया जा सकता है। इस हेयर जैल को बनाने के लिए आपको जरूरत होगी भिंडी की. भिंडी का जैल विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के समेत मैग्नीशियम, पौटेशियम और जिंक जैसे खनिजों से भरपूर होता है। इससे हेयर फॉलिकल्स को फायदा मिलता है और हेयर ग्रोथ बेहतर तरह से हो पाती है। साथ ही, भिंडी में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स हेयर डैमेज का कारण बनने वाले और हेयर ग्रोथ को धीमा करने वाले फ्री रेडिकल्स से छुटकारा दिलाते हैं। इंस्टाग्राम पर इंफ्लुएंसर जोनाथन मोनरो का अपना अकाउंट है जिसपर वे हेयर और ब्यूटी से जुड़े वीडियो शेयर करते रहते हैं। अपने ऐसे ही एक वीडियो में जोनाथन ने भिंडी का जैल और हेयर कंडीशनर बनाने का तरीका बताया है।

भिंडी का कंडीशनर और जैल बनाने के लिए सबसे पहले लगभग 15 भिंडी लें और काट लें। अब एक बर्तन में कटी भिंडी डालें और 2 कप पानी मिला लें। आंच पर चढ़ाकर पकाएं और बीच-बीच में भिंडी हिलाते रहें। चाहे तो इसमें ताजा रोजमेरी भी डाली जा सकती है, लेकिन यह बिल्कुल ऑप्शनल है।

भिंडी के जैल के फायदे

इस जैल को सिर पर लगाने से डैंड्रफ की दिक्कत दूर होती है। इससे खुरदुरे बाल मुलायम बनते हैं और बालों में चमक नजर आती है।

बालों पर इस्तेमाल करने के अलावा इस जैल को चेहरे पर भी लगाया जा सकता है। विटामिन सी से भरपूर होने के चलते यह जैल कोलाजन सिंथेसिस में मददगार है और स्किन को एंटी-एजिंग गुण देता है।

इस जैल से त्वचा एक्सफोलिएट होती है और डेड स्किन सेल्स हटने लगती हैं। इसे लगाने पर स्किन सोफ्ट होने लगती है।

पैर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए पार्लर जाने की जरूरत नहीं

जिस तरह से हम चेहरे की स्किन का ख्याल रखते हैं, ठीक उसी तरह शरीर के बाकी अंगों की स्किन का भी ध्यान रखना पड़ता है। खासकर हाथ और पैर की. इसके लिए लड़कियां और महिलाएं पार्लर में जाकर पेडीक्योर करवाती हैं। जिससे पैर की स्किन सॉफ्ट हो जाती है। मगर अब आपको बाहर जाकर पेडिक्योर करवाने की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही सिर्फ एक चीज की मदद से पार्लर जैसा बढ़िया पेडीक्योर कर सकती हैं। इसमें आपका कोई ज्यादा खर्चा भी नहीं आएगा। दरअसल, हम आपको इस आर्टिकस में टूथपेस्ट पेडीक्योर के बारे में बताने वाले हैं।

चाहिए होंगी ये चीजें : घर में पेडीक्योर करने के लिए आपको 1 बड़ा चम्मच टूथपेस्ट, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 1 बड़ा चम्मच चावल का आटा, 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल और 1 पुराना टूथब्रश चाहिए होगा।

इस तरह करें पेडीक्योर : घर में पेडीक्योर करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में टूथपेस्ट, गुलाब जल, चावल का आटा, एलोवेरा जेल मिलाकर एक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को पैरों पर लगाएं। इस पेस्ट को लगाने के बाद कम से कम 5 मिनट तक पैरों को टूथब्रश से स्क्रब करें।

स्क्रब करने के बाद पैरों को गुनगुने पानी में थोड़ी देर के लिए डाल दें। पैरों से जब सारा पेस्ट हट जाए तो टॉवल से पैरों को अच्छी तरह पोंछ लें और उसके फिर देसी घी से हल्के हाथ से मसाज करें। इस तरह से पेडीक्योर करने से पैरों से डेड स्किन बिल्कुल निकल जाएगी और आपके पैर एकदम साफ हो जाएंगे। इस तरह से पेडीक्योर करने के बाद आपके पैर इतने साफ हो जाएंगे कि आप पार्लर जाकर पेडीक्योर करवाना भूल जाएंगी।

पेडीक्योर के फायदे : पेडीक्योर करने के कई फायदे होते हैं। इससे आपके पैरों में खून का संचार बेहतर तरीके से होने लगता है साथ ही स्किन में कसाव आ जाता है।

कार्नर न्यूज

त्वचा को प्रोटेक्ट करना है तो ये 5 तरीके आएंगे काम

एसी में ज्यादा रहने पर हो सकती है स्किन में नमी की कमी

भीषण गर्मी में ऑफिस-घर, दोनों ही जगहों पर एसी चल रहा है। एसी की हवा भले ही हमें गर्मी से राहत देने का काम कर रही है, लेकिन दिन-रात एसी में रहने की वजह से स्किन को काफी नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। दरअसल, एसी कमरे की नमी को ड्राई करने का काम करता है, जिससे हवा ड्राई हो जाती है और यह हमारी स्किन की नमी को भी सोखने लगती है। इससे ड्राई स्किन की परेशानी बढ़ती जाती है जो एलर्जी और इरिटेशन की सबसे बड़ी वजह बन जाती है। इसकी वजह से एक्ने, पिंपल्स की समस्य भी बढ़ जाती है। तो ऐसा क्या करें कि एसी चलाते हुए भी हमारी स्किन हेल्दी और हाइड्रेट रहे। आइए जानते हैं इसके तरीके।

बॉडी को करें हाइड्रेट

बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए आप दिनभर में कम से कम 3 से 4 लीटर पानी जरूर पियें। आप कोकोनट वाटर, नारियल पानी भी पीकर स्किन की नमी को बरकरार रख सकते हैं।

ह्युमिडिफायर का इस्तेमाल

अगर आप दिन-रात एसी चला रहे हैं तो आप घर में ह्युमिडिफायर का इस्तेमाल करें। अगर आपके घर में यह नहीं है तो आप अपने कमरे में किसी बड़े से बर्तन में पानी रखें। यह हवा की नमी को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

मॉइश्चराइजर का करें इस्तेमाल

अगर आपकी त्वचा ड्राई हो रही है तो बेहतर होगा कि आप बटर क्रीम या ग्लिसरीन युक्त मॉइस्चराइजर लगाएं। ऐसे स्किन प्रोडक्ट का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें जो त्वचा को ड्राई बनाती हो।

डाइट का रखें ख्याल

अपनी डाइट में उन चीजों को शामिल करें जिसमें विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन सी हो। इसके अलावा, ओमेगा 3 फैटी एसिड को भी डाइट में शामिल करना जरूरी है। भरपूर नींद लें, जिससे स्किन को हील करने में मदद मिले।

कमरे में रखें पौधे

एसी वाले कमरे में उन पौधों को रखें जो भरपूर ऑक्सीजन छोड़ते हों। इसके लिए आप एलोवेरा, स्नेक, प्लांट आदि से घर को सजाएं। ये पौधे हवा को तो बेहतर करते ही हैं, हवा में नमी भी बनाए रखते हैं।

संक्षिप्त खबरें

एशियन पेंट्स की स्कालरशिप

नई दिल्ली। एशियन पेंट्स, ने 5 से 14 वर्ष की आयु के क्रिकेट खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर 'नियोभारत स्कॉलरशिप' लांच की है। एशियन पेंट्स के एमडी और सीईओ, अमित सिंगल ने कहा कि यह पहल एशियन पेंट्स ब्रांड के सिद्धांत 'हर घर खेलेगा, हर घर खिलेगा' पर आधारित है। इस नए अभियान के ब्रांड एंबेसडर विराट कोहली हैं। इस पहल का उद्देश्य उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को खोजना और उनको सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस क्रिकेट स्कॉलरशिप में 100 लोगों में से प्रत्येक को 2 लाख रुपये की स्कॉलरशिप मिलेगी। इसके लिए आवेदन 30जून तक खुले हैं, इसके लिए आवेदन वेबसाइट https://neobharatcricketscholarship.in/ पर लिए जा रहे हैं।

बाथ एंड बॉडी के नए उत्पाद

बाथ एंड बॉडी वर्क्स के मैन्स प्रोडक्ट्स की शानदार रेंज के साथ। बाथ एंड बॉडी वर्क्स की ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स की रेंज को मॉडर्न पुरुषों की तमाम जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य यही ही है कि आप सबसे खास दिखें और सबसे अच्छा महसूस करें। त्वचा को बेहद सौम्यता से क्लींज़ और हाइड्रेट करता है, जिससे त्वचा कोमल और चमकदार बनती है। इसे प्राकृतिक तेलों, विटामिन ई, एलोए और विटामिन बी5 का उपयोग करके तैयार किया गया है, जो सभी प्रकार के बालों, यहां तक कि रंगे हुए बालों के लिए भी उपयुक्त है।

शॉप्सी का शॉपिंग धमाका

नई दिल्ली। ई-कामर्स प्लेटफार्म फ्लिपकार्ट के शॉप्सी को अपने पहले मेगा शॉपिंग धमाका इवेंट में लाखों ग्राहकों की भागीदारी के साथ बड़ी सफलता मिली। 16 करोड़ से ज़्यादा उत्पाद मुफ़्त डिलीवरी के लिए उपलब्ध होने के कारण, शाप्सी ने दैनिक मांग में 50 प्रतिशत की वृद्धि और नए उपयोगकर्ताओं में 60 प्रतिशत की वृद्धि देखी, जिनमें से 41 प्रतिशत पहली बार शॉप्सी खरीदार थे। शॉप्सी के प्रमुख, कपिल थिरानी कहते हैं, 'शॉप्सी में, हमारे ग्राहकों को मूल्य-संचालित खरीदारी का अनुभव प्रदान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा पहला मेगा शॉपिंग धमाका किफायती खरीदारी और अच्छे मूल्यों के उत्साह को सीधे उनके तक पहुंचाने का एक तरीका था।

कल्पतरु को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल के निदेशक मंडल ने निजी निर्गम के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी करके 300 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बीएसई को दी गई सूचना के अनुसार, 1,00,000 रुपये अंकित मूल्य वाले कुल 30,000 एनसीडी जारी करने का प्रस्ताव है, जिनका कुल मूल्य 300 करोड़ रुपये होगा। सूचना के अनुसार, निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति ने अपनी बैठक में निजी निर्गम के आधार पर 300 करोड़ रुपये के असुरक्षित, रेटेड, सूचीबद्ध, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र जारी करने को मंजूरी दे दी है। एनसीडी को बीएसई लिमिटेड के थोक ऋण बाजार खंड में सूचीबद्ध किया जाएगा।

जेनसोल में नए निदेशक

नई दिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग के निदेशक मंडल ने कुलजीत सिंह पोपली को कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। जेनसोल ने बताया कि पांच साल की अवधि के लिए स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति कंपनी की आगामी आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। पोपली क्लाइम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक निदेशक हैं। इसके अलावा,निदेशक मंडल ने अली इमरान नकवी को पांच साल की अवधि के लिए कंपनी के अतिरिक्त निदेशक (कार्यकारी) के रूप में नियुक्त करने को भी मंजूरी दे दी है।

ओलिव का राजस्व बढ़ा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी एम्बेसी समूह द्वारा प्रवर्तित आतिथ्य प्रबंधन स्टार्टअप ओलिव का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व 76 प्रतिशत बढ़कर 51 करोड़ रुपये रहा। ओलिव के पास वर्तमान में बेंगलुरु, मुंबई और गोवा में 55 को-लिविंग सेंटर और होटल हैं। कंपनी चार ब्रांड ओलिव लाइफ, ओलिव जिप, ओलिव होटल और विला ओलिव चलाती है। ओलिव के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी कहरमन यिगित ने कहा, " वित्त वर्ष 2022-23 में हमने 29 करोड़ रुपये का खंड राजस्व हासिल किया।(एजेंसी)

मोदी के पीएम बनने पर उद्योग जगत को उम्मीद

सुधारों के नए चरण की शुरुआत करेगी सरकार

■ एसोचैम, फिक्की और सीआईआई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार शपथ लेने के साथ भारतीय उद्योग जगत ने सोमवार को उम्मीद जताई कि नई सरकार विकसित भारत के लिए सुधारों के नए चरण की शुरुआत कर सकती है। मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके बाद कई कारपोरेट हस्तियों ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर बधाई संदेश पोस्ट किए। जवाहरलाल नेहरू के बाद मोदी दूसरे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल किया है।

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने ट्वीट किया, 'नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई। आपके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने कई मील के पत्थर पार किए हैं। हमें विश्वास है कि देश अपने उल्लेखनीय विकास पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।' जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर नरेन्द्र मोदी जी को बधाई। यह उपलब्धि पिछली बार नेहरू जी ने हासिल की थी। नए मंत्रिमंडल के साथ, मैं हमारे राष्ट्र की निरंतर प्रगति और विकास के बारे में आशावादी हूं। आइए, साथ मिलकर एक मजबूत और अधिक लचीली अर्थव्यवस्था का निर्माण करें।' महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'उम्मीद है कि नया कार्यकाल भारत के विकास और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।'

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव पुरी ने बयान में कहा कि 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर के आधार पर, मोदी के नेतृत्व में नई सरकार वैश्विक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सुधारों के अगले चरण की शुरुआत कर सकती है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत 'बड़ा' सोचना और बड़े काम करना जारी रखेगा। फिक्की के अध्यक्ष अनीश शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का लगातार तीसरा कार्यकाल सुधार एजेंडा में निरंतरता का मार्ग प्रशस्त करेगा। शाह ने कहा, 'हम प्रगतिशील नीतियों और उपायों की आशा करते हैं, जो आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देंगे और विकसित भारत के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेंगे।'

एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि भारतीय उद्योग जगत को विश्वास है कि देश नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा।

सहयोगी दलों पर निर्भर नई सरकार के लिए कठोर सुधार लागू करना मुश्किल : यूबीएस

मुंबई (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सहयोगी दलों पर निर्भर नई सरकार के लिए कड़े सुधारों को लागू करना मुश्किल होगा। स्विस ब्रोकरेज फर्म यूबीएस सिक्योरिटीज ने सोमवार को यह बात कही। यूबीएस सिक्योरिटीज ने कहा कि अगर सरकार भूमि, खेती, विनिवेश, समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव जैसे कड़े सुधारों को लागू कर पाती है, तो वृद्धि की संभावित दर 7.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है।

भारत में यूबीएस प्रमुख अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'कठोर सुधारों को लागू करके अगले पांच वर्षों में वृद्धि की संभावित दर वर्तमान के 6.5-7 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है।' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों पर निर्भरता का जिक्र करते हुए कहा, '2019 और 2014 के चुनावों की तुलना में इस बार कठोर सुधारों को आगे बढ़ाना कठिन होगा।' उन्होंने कहा कि सरकार अगले 12-18 महीनों में विनिर्माण को बढ़ावा देने, पहले से पारित श्रम कानूनों को लागू करने और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देगी। जैन ने कहा, 'भूमि सुधार, बुनियादी ढांचे पर खर्च को बढ़ावा, विनिवेश, कृषि विधेयक, समान नागरिक संहिता लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा।'

मोदी का लगातार तीसरी बार पीएम बनना आर्थिक स्थिरता का संदेश

■ USIBC ने राजग सरकार बनने पर खुशी जताई

वाशिंगटन (भाषा)।

यूएसआईबीसी के अध्यक्ष अतुल केशप ने कहा कि नरेन्द्र मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना बढ़ती भू-रणनीतिक अनिश्चितता के बीच राजनीतिक व आर्थिक स्थिरता का एक मजबूत संदेश देता है।

मोदी ने रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद का नेतृत्व किया। अमेरिका-भारत व्यापार परिषद के अध्यक्ष केशप ने रविवार को एक साक्षात्कार में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल बढ़ती भू-रणनीतिक अनिश्चितता के बीच भारत के मतदाताओं द्वारा राजनीतिक व आर्थिक स्थिरता और निरंतरता का एक मजबूत संदेश देता है।' केशप ने मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद कहा, 'भारतीय मतदाताओं ने उन वृद्धि समर्थक नीतियों को जारी रखने का समर्थन किया है, जो भारत को लोकतंत्र, समृद्धि तथा प्रौद्योगिकी नवाचार का एक महत्वपूर्ण केंद्र और अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार बना रही हैं।' इस बीच, विधि कंपनी पॉल हेस्टिंग्स के साझेदार रौनक डी देसाई ने कहा कि मोदी का तीसरा कार्यकाल अमेरिका-भारत संबंधों में निरंतरता सुनिश्चित करता है। साथ ही संकेत देता है कि द्विपक्षीय संबंध मजबूत बने रहेंगे।

फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने एक अलग बयान में कहा कि मोदी के तीसरे कार्यकाल में वे उत्सुकता से भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा एक प्रभावशाली वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढने की यात्रा की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में आई गिरावट

नई दिल्ली (भाषा)।

भीषण गर्मी और चुनाव के कारण मांग प्रभावित होने से मई में घरेलू यात्री वाहन खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट आई। उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। यात्री वाहनों का पंजीकरण मई में घटकर 3,03,358 इकाई रह गया, जबकि मई 2023 में यह 3,35,123 इकाई था।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, 'डीलरों ने पिछले महीने बिक्री में गिरावट के लिए चुनाव, भीषण गर्मी और बाजार में नकदी की समस्या को प्रमुख कारण बताया है।' उन्होंने कहा कि बेहतर आपूर्ति, कुछ लंबित बुकिंग और छूट योजनाओं के बावजूद नए मॉडल की कमी, तीव्र प्रतिस्पर्धा और मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) द्वारा खराब विपणन प्रयासों ने भी बिक्री को प्रभावित किया।

- मई में दर्ज की गई एक फीसद की कमी
- चुनाव, भीषण गर्मी और बाजार में नकदी की तंगी से घटी बिक्री
- बेहतर आपूर्ति और छूट योजनाओं के बाद भी दर्ज हुई है गिरावट
- गर्मी के चलते शोरूम आने वाले ग्राहकों की संख्या में 18 फीसद की कमी
- इस दौरान दुपहिया की बिक्री में दर्ज हुई दो फीसद की वृद्धि
- तिपहिया वाहनों की बिक्री में दर्ज की गई है 20 फीसद की वृद्धि

सिंघानिया ने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण शोरूम में आने वाले ग्राहकों की संख्या में करीब 18 प्रतिशत की गिरावट आई है। मई में दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढकर 15,34,856 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 14,97,778 इकाई थी। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 98,265 इकाई हो गई। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पिछले महीने चार प्रतिशत बढकर 83,059 इकाई रही, जबकि मई 2023 में यह 79,807 इकाई थी।

फाडा 15,000 से अधिक मोटर वाहन डीलरशिप का प्रतिनिधित्व करता है। उसने देश भर के 1,503 आरटीओ में से 1,360 से वाहन खुदरा आंकड़े एकत्र किए हैं।

कंपनी में कोई वित्तीय अनियमितता नहीं : सुजलॉन

नई दिल्ली (भाषा)।

अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन एनर्जी ने सोमवार को कहा कि स्वतंत्र निदेशक मार्क डेसेडेलेर के इस्तीफे के बाद संगठन में कोई वित्तीय अनियमितता या अनुपालन उल्लंघन नहीं हुआ है।

बीएसई को दी जानकारी के अनुसार, मार्क डेसेडेलेर ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। आठ जून 2024 को दिए जाने वाले अपने इस्तीफे में कंपनी के भीतर कॉर्पोरेट प्रशासन के मुद्दों को उठाया। मार्क डेसेडेलेर ने कहा, 'मैं 18 महीने में कंपनी द्वारा दर्ज परिचालन से बहुत खुश हूं। हालांकि इसी अवधि में और हाल ही में, कई ऐसी स्थितियां आईं जहां कंपनी द्वारा लागू किए गए कॉर्पोरेट प्रशासन के मानक मेरी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। इनमें ऐसी स्थितियां भी शामिल हैं, जहां संचार में खुलेपन व पारदर्शिता का अभाव था जिनकी (मामलों की) जानकारी में चाहता था।'

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार की सलाह

बेरोजगारी से निपटे राजग सरकार

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को अपने तीसरे कार्यकाल में देश में बेरोजगारी की समस्या से निपटना होगा, खासकर असंगठित क्षेत्र और लघु एवं मध्यम उद्यमों में।

कुमार ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार को अब चार श्रम संहिताओं को अंतिम रूप देना चाहिए क्योंकि इसमें अपेक्षा से अधिक देरी हो चुकी है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, 'हमें यह स्वीकार करना होगा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद आर्थिक सुधार 'के' आकार का रहा है। मुझे लगता है कि मोदी सरकार को सबसे महत्वपूर्ण सुधार बेरोजगारी की समस्या से निपटना होगा, खासकर असंगठित और लघु एवं मध्यम उद्यमों में।'

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83% बेरोजगार युवा थे। अर्थशास्त्री ने कहा, 'इसलिए बड़ी कंपनियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और जो अत्यधिक कुशल हैं उन्होंने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि निचले स्तर पर लोग बेरोजगार हैं और कंपनियां अपनी क्षमता का विस्तार करने के लिए संघर्ष कर रही हैं।' मोदी ने रविवार को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। वह 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करेंगे।

मोदी के साथ, राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण और एस. जयशंकर सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने राष्ट्रपति भवन में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

डीमैट व एमएफ खातों पर नामांकन अनिवार्यता नियमों में ढील

नई दिल्ली (भाषा)।

बाजार नियामक सेबी ने मौजूदा निवेशकों के लिए नियमों को आसान बनाते हुए 'नामांकन का विकल्प' न देने की स्थिति में डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों पर रोक लगाने (फ्रीज करने) का नियम सोमवार को खत्म कर दिया।

इसके अलावा भौतिक रूप में प्रतिभूतियां रखने वाले निवेशक अब लाभांश, ब्याज या प्रतिभूतियों को भुनाने जैसे किसी भी भुगतान को पाने के लिए पात्र होंगे। इसके साथ ही निवेशक 'नामांकन का विकल्प' न चुनने पर भी शिकायत दर्ज करने या आरटीए (निर्गम के रजिस्ट्रार और शेयर हस्तांतरण एजेंट) से किसी भी सेवा का अनुरोध पाने के हकदार होंगे।

इससे पहले भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सभी मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए नामित व्यक्ति (नॉमिनी) का विवरण देने या नामांकन से बाहर निकलने के लिए 30 जून की समयसीमा तय की थी। नियम का पालन न करने पर उनके खातों से निकासी पर रोक लगाई जा सकती थी।

हालांकि, सेबी ने सोमवार को जारी परिपत्र में कहा कि अनुपालन में सुगमता और निवेशकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मौजूदा निवेशकों या यूनिटधारकों के लिए 'नामांकन का विकल्प' न देने पर डीमैट खातों के साथ म्यूचुअल फंड खाते पर रोक नहीं लगाने का फैसला किया गया है।

बाजार नियामक ने कहा कि सूचीबद्ध कंपनियों या आरटीए द्वारा 'नामांकन का विकल्प' न देने की वजह से फिलहाल रोके जा चुके भुगतान को भी अब निपटाया जा सकेगा।

इसके साथ ही सेबी ने यह साफ किया कि सभी नए निवेशकों और म्यूचुअल फंड यूनिटधारकों को डीमैट खातों/ म्यूचुअल फंड फोलियो के लिए अनिवार्य रूप से 'नामांकन का विकल्प' देने की व्यवस्था जारी रहेगी। नियामक ने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों, एएमसी या आरटीए से कहा है कि वे डीमैट खाताधारकों या म्यूचुअल फंड यूनिटधारकों को ईमेल और एसएमएस के जरिये पाक्षिक आधार पर संदेश भेजकर 'नामांकन का विकल्प' अद्यतन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

विवरण को अद्यतन करने के लिए नामित व्यक्ति का नाम, नामित व्यक्ति की हिस्सेदारी और आवेदक के साथ संबंध के बारे में बताना होगा। सेबी ने डीमैट खाते और एमएफ फोलियो में नामांकन का विकल्प देने और नामांकन से बाहर निकलने के लिए एक प्रारूप भी जारी किया है।

एकल आधार पर कर्ज मुक्त कंपनी बनी रिलायंस पावर

नई दिल्ली (भाषा)। रिलायंस पावर ने ऋणदाताओं का सारा बकाया कर्ज चुका दिया है और अब वह एकल आधार पर कर्ज-मुक्त कंपनी बन गई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी पर करीब 800 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज था जिसे बैंकों को चुका दिया गया है। रिलायंस पावर ने दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के बीच आईडीबीआई बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस सहित विभिन्न बैंकों के साथ कई ऋण निपटान समझौतों पर हस्ताक्षर किए। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने अब इन बैंकों का पूरा कर्ज चुका दिया है।

दिसंबर 2023 में रिलायंस पावर ने अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित 1,200 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना के विकास अधिकार टीएचडीसी को 128 करोड़ रुपये में बेचे। मार्च 2024 में कंपनी ने महाराष्ट्र के वाशपेट में अपनी 45 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना को 132 करोड़ रुपये में जेएसडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी को बेच दिया। इन परियोजनाओं की बिक्री से मिली राशि का उपयोग कंपनी ने अपना कर्ज चुकाने में किया है। रिलायंस पावर के पास 38 लाख से अधिक खुदरा निवेशकों की भागीदारी के साथ 4,016 करोड़ रुपये का शेयर आधार है।

भारतीयों के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई देश पसंदीदा गंतव्य

नई दिल्ली (भाषा)।

विदेश में कम समय के लिए छुट्टियों पर जाने की योजना बना रहे भारतीयों के लिए दक्षिण-पूर्व एशियाई देश पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरे हैं, जबकि लंबी छुट्टियां बिताने वाले अमेरिका, यूरोप और आस्ट्रेलिया जाना चाहते हैं।

'ओयो ग्लोबल समर वेकेशन ट्रैवलोपीडिया' 2024 के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया पांच से सात दिन की कम दिन की छुट्टियों के लिए भारतीय पर्यटकों की शीर्ष पसंद बनकर उभरा है, जहां लोग वीजा छूट के बाद लंबे सप्ताहांत तथा छुट्टियों के लिए अधिक जा रहे हैं। सर्वेक्षण में करीब 4,000 लोगों की राय ली गई। ओयो के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल 38 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बाली को चुना जिससे यह शीर्ष गंतव्य के रूप में उभरा। इसके बाद सूची में पटाया, बैंकॉक और दुबई रहे। इंडोनेशिया और मलयेशिया जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई गंतव्य वीजा मानदंडों में ढील के बाद पसंदीदा देशों के रूप में उभरे हैं।

यूरोप और अमेरिका लंबी दूरी के गंतव्यों के लिए शीर्ष विकल्प के रूप में उभरे हैं, जहां भारतीय पर्यटक 10 से 15 दिन (करीब दो सप्ताह) या उससे भी अधिक समय तक रुकते हैं। ओयो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितेश अग्रवाल ने कहा, 'बेहतर हवाई संपर्क, वीजा सुविधा और यात्रा विकल्पों की विस्तृत श्रृंखला से भारतीय यात्रियों का दक्षिण-पूर्व एशिया की यात्रा करना पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक हो गया है। इस क्षेत्र में प्रीमियम संपत्तियों की संख्या बढ़ाने के हमारे जारी कार्यक्रम से भारतीय पर्यटकों को सभी लोकप्रिय अवकाश स्थलों पर ठहरने के कई विकल्प मिलेंगे।'

ट्रैवलोपीडिया-2024 वार्षिक रिपोर्ट गर्मियों की छुट्टियों में विदेश जाने की योजना बना रहे भारतीय पर्यटकों के बीच यात्रा संबंधी प्राथमिकताओं तथा रुझानों को दर्शाती है। यह रिपोर्ट 15 अप्रैल से 30 मई, 2024 तक भारत में कंपनी द्वारा किए गए सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करती है।

मलयेशिया और इंडोनेशिया जैसे कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने हाल ही में भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने की घोषणा की है, जिससे इस क्षेत्र के कुछ सबसे लोकप्रिय स्थलों तक पहुंच आसान हो जाएगी। दुबई ने भारत और खाड़ी क्षेत्र के बीच यात्रा को आसान बनाने के लिए पांच वर्षीय बहु-प्रवेश वीजा की शुरुआत की है।

पेटीएम में हुई छंटनी

■ कर्मचारियों की संख्या में 3500 की कमी आई

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कर्मचारियों की छंटनी की है। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम का स्वामित्व है। कंपनी ने एक बयान में दावा किया कि वह कर्मचारियों के सुचारू रूप से स्थानांतरण के लिए उन्हें 'आउटप्लेसमेंट' (कहीं और भर्ती) सहायता उपलब्ध करा रही है। हालांकि, बयान में कितने कर्मचारियों की छंटनी की गई है इसकी संख्या उजागर नहीं की गई।

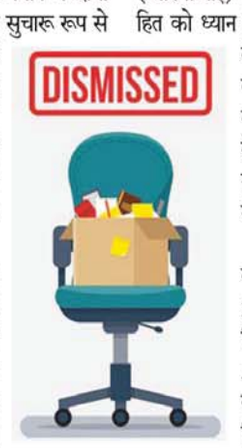

जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में पेटीएम के कर्मचारियों (बिक्री) की संख्या तिमाही आधार पर करीब 3,500 घटकर 36,521 रह गई, जिसका मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सेवाओं पर प्रतिबंध लगाना था। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'कंपनी के मानव संसाधन दल 30 से अधिक कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं जो वर्तमान में कर्मचारियों की भर्ती कर रही हैं। उन कर्मचारियों को सहायता प्रदान कर रही हैं जिन्होंने अपनी जानकारी साझा करने का विकल्प चुना है, जिससे उनके तत्काल दूसरी जगह भर्ती में मदद मिल रही है।' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने व्यापारियों सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से 15 मार्च से रोक दिया था।

फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में पीपीबीएल में 39 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 227 करोड़ रुपये के निवेश को बट्टे खाते में डाला है। पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा की पीपीबीएल में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अनिर्णित	अंक	नेट र.र.
ग्रुप ए						
भारत	2	2	0	0	4	1.455
अमेरिका	2	2	0	0	4	0.626
कनाडा	2	1	1	0	2	-0.274
पाकिस्तान	2	0	2	0	0	-0.150
आयरलैंड	2	0	2	0	0	-1.712
ग्रुप बी						
स्कॉटलैंड	3	2	0	1	5	2.164
आस्ट्रेलिया	2	2	0	0	4	1.875
नामीबिया	2	1	1	0	2	-0.309
इंग्लैंड	2	0	1	1	1	-1.800
ओमान	3	0	3	0	0	-1.613
ग्रुप सी						
अफगानिस्तान	2	2	0	0	4	5.225
वेस्ट इंडीज	2	2	0	0	4	3.574
युगांडा	3	1	2	0	2	-4.217
पापुआ न्यू गिनी	2	0	2	0	0	-0.434
न्यूजीलैंड	1	0	1	0	0	-4.200
ग्रुप डी						
दक्षिण अफ्रीका	3	3	0	0	6	0.603
बंग्लादेश	2	1	1	0	2	0.075
नीदरलैंड	2	1	1	0	2	0.024
नेपाल	1	0	1	0	0	-0.539
श्रीलंका	2	0	2	0	0	-0.777

सालभर पहले तक कॅरियर खत्म होने के बारे में पूछते थे और अब मुझे सर्वश्रेष्ठ कहते हैं : बुमराह

न्यूयॉर्क (भाषा)। भारतीय क्रिकेट के दुर्लभ नगीनों में शुमार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का कहना है कि उन्हें यह बात बड़ी हास्यास्पद लगती है कि एक साल पहले तक लोग उनके कॅरियर के खत्म होने की बातें कर रहे थे और अब उन्हें सर्वश्रेष्ठ बुलाते हैं। बुमराह ने 2022 में पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' के लिए सर्जरी करायी थी जिसके कारण वह आस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे। घरेलू सरजमीं पर सीरीज में वापसी करने से पहले उन्हें खिचाव आ गया जिससे वह 10 से ज्यादा महीनों के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए।

लोग उनके तीनों प्रारूपों में खेलने के कार्यभार से निपटने की काबिलियत पर सवाल उठाने लगे। लेकिन बुमराह ने पिछले एक साल में तीनों प्रारूप में मिलाकर 67 विकेट झटककर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया जिसमें रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ कम स्कोर वाले टी-20 विश्व कप मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाने वाला मैच विजयी प्रदर्शन भी शामिल है। बुमराह ने वापसी करने की उनकी काबिलियत पर शक करने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा, 'एक साल पहले तक ये ही लोग कह रहे थे कि मैं शायद फिर दोबारा नहीं खेल पाऊंगा और मेरा कॅरियर खत्म हो गया है। लेकिन अब यह सवाल बदल गया है।'

बुमराह आलोचकों की 'अदलू बदलू' प्रकृति को बखूबी समझते हैं और जानते हैं कि उनके लिए सर्वश्रेष्ठ यही है कि वह खुद के नियंत्रण वाली चीजों पर काम करें। उन्होंने कहा, 'मैं मैच में इस चीज पर ध्यान नहीं देता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से गेंदबाजी कर रहा हूं या नहीं, बल्कि मैं मैच में मौजूद समस्या का निदान करने की कोशिश करता हूं। मैं जानता हूं कि यह घिसा पिटा जवाब है। लेकिन मैं इसी पर फोकस करने की कोशिश कर रहा था कि इस तरह के विकेट पर यहां सर्वश्रेष्ठ विकल्प क्या है।'

बुमराह ने कहा, 'मैं शॉट लगाना कितना मुश्किल बना देता हूं ? मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प क्या हैं ? इस तरह मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं कि और मुझे क्या करना है, इस पर फोकस करता हूं।' उन्होंने कहा, 'अगर मैं बाहर का शोर देखूंगा, लोगों को देखूंगा तो दबाव और भावनाएं हावी हो जाएंगी। फिर मेरे लिए चीजें काम नहीं करेंगी।' कम स्कोर वाले मैचों में अक्सर तेज गेंदबाज अलग तरह की गेंद जैसे यॉर्कर या बाउंसर आजमाने की कोशिश करते हैं लेकिन बुमराह का कहना है कि किसी को भी इनकी अति नहीं करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर हम जादुई गेंद डालने के लिए बेताब होने की कोशिश करेंगे तो रन बनाना आसान हो जाएगा और कम स्कोर को देखते हुए हमें परिस्थितियों देखकर इनकी अति नहीं करनी चाहिए।' बुमराह ने कहा, 'जब भी मदद मिलती है तो आप अति उत्साही हो सकते हो। आप बल्लेबाज को लुभाने के लिए बाउंसर, आउट स्विंगर, इन स्विंगर डाल सकते हो। लेकिन आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। मैंने यही सीखा है।' उन्होंने कहा, 'इस मैच में ऐसा ज्यादा नहीं हो रहा था। हमने दबाव जरूरत बनाया था। थोड़ा 'लेटरल मूवमेंट' था लेकिन पिछले मैच की तरह इतना ज्यादा नहीं था।'

द. अफ्रीका ने बांग्लादेश को चार रन से हराया

न्यूयॉर्क (भाषा)। हेनरिक क्लासेन की जुझारू पारी के बाद बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप के ग्रुप-डी के कम स्कोर वाले मैच में सोमवार को बांग्लादेश को चार रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सुपर आठ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका के 114 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश तौहीद हृदय (37 रन, 34 गेंद, दो छक्के, दो चौके) और महमूदुल्लाह (20 रन, 27 गेंद, दो चौके) के बीच पांचवें विकेट की 44 रन की साझेदारी के बावजूद 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन ही बना सका।

दक्षिण अफ्रीका की तरफ से महाराज ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि एनरिच नोर्किया ने 17 और कागिसो रबाडा ने 19 रन देकर दो-दो विकेट हासिल किए। मार्को यानसेन ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 17 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। दक्षिण अफ्रीका इससे पहले क्लासेन (46 रन, 44 गेंद, दो चौके, तीन छक्के) की जुझारू पारी के अलावा डेविड मिलर (29 रन, 38 गेंद, एक छक्का, एक चौका) के साथ पांचवें विकेट के लिए उनकी 79 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 113 रन बनाने में सफल रहा। ये दोनों उस समय क्रीज पर साथ आए जब टीम 23 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। बांग्लादेश की ओर से तंजीम हसन साकिब ने 18 रन देकर तीन जबकि तास्किन अहमद ने 19 रन देकर दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश ने दूसरे ओवर में ही तंजीद हसन (09) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने कागिसो रबाडा की गेंद पर विकेटकीपर क्विटन डिकॉक को कैच थमाया।

> यह दिल के लिए बहुत अच्छा नहीं था लेकिन जीत दर्ज करके खुशी हुई। विकेट शॉट खेलने के लिए बहुत बढ़िया नहीं था लेकिन डेविड मिलर ने पिछले मैच में दिखाया कि इस विकेट पर कैसे बल्लेबाजी करनी है। उनसे जानकारी मिली। हमने अच्छा स्कोर बनाया लेकिन 10 रन कम बनाए। हमारे पास अनुभव था और 15 ओवर तक वनडे क्रिकेट की मानसिकता थी। जीत से लड़कों को बहुत आत्मविश्वास मिलेगा, हमने अब तक तीन दबाव वाले मैच खेले हैं। हम आगे बढ़ चुके हैं जो अच्छा है।
>
> *- हेनरिक क्लासेन, दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज*

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका -		बांग्लादेश -	
क्विंटन डिकॉक बो. तंजीम	18	तंजीद हसन का. डिकॉक बो. रबाडा	09
रीजा हैंड्रिक्स पगबधा बो. तंजीम	00	नजमुल हसन शंटो का. मार्करम बो. नोर्किया	14
एडेन मार्करम बो. तास्किन	04	लिटन दास का. मिलर बो. महाराज	09
ट्रिस्टन स्टब्स का. शाकिब बो. तंजीम	00	शाकिब अल हसन का. मार्करम बो. नोर्किया	03
हेनरिक क्लासेन बो. तास्किन	46	तौहीद हृदय पगबाधा बो. रबाडा	37
डेविड मिलर बो. रिशाद	29	महमूदुल्लाह का. मार्करम बो. महाराज	20
मार्को यानसेन (नाबाद)	05	जाकिर अली का. मार्करम बो. महाराज	08
केशव महाराज (नाबाद)	04	रिशाद हुसैन (नाबाद)	00
अतिरिक्त -	**07**	तास्किन अहमद (नाबाद)	01
कुल - (20 ओवर में छह विकेट पर)	**113**	**अतिरिक्त -**	**08**
विकेटपतन - 1/11, 2/19, 3/23, 4/23, 5/102, 6/106		**कुल -** (20 ओवर में सात विकेट पर)	**109**
गेंदबाजी - तंजीम 4-0-18-3, तास्किन अहमद 4-0-19-2, मुस्ताफिजुर 4-0-18-0, रिशाद हुसैन 4-0-32-1, शाकिब अल हसन 1-0-6-0, महमूदुल्लाह 3-0-17-0		**विकेटपतन** - 1/9, 2/29, 3/37, 4/50, 5/94, 6/107, 7/108	
		गेंदबाजी - यानसेन 4-0-17-0, रबाडा 4-0-19-2, बार्टमैन 4-0-27-0, महाराज 4-0-27-3, नोर्किया 4-0-17-2,	

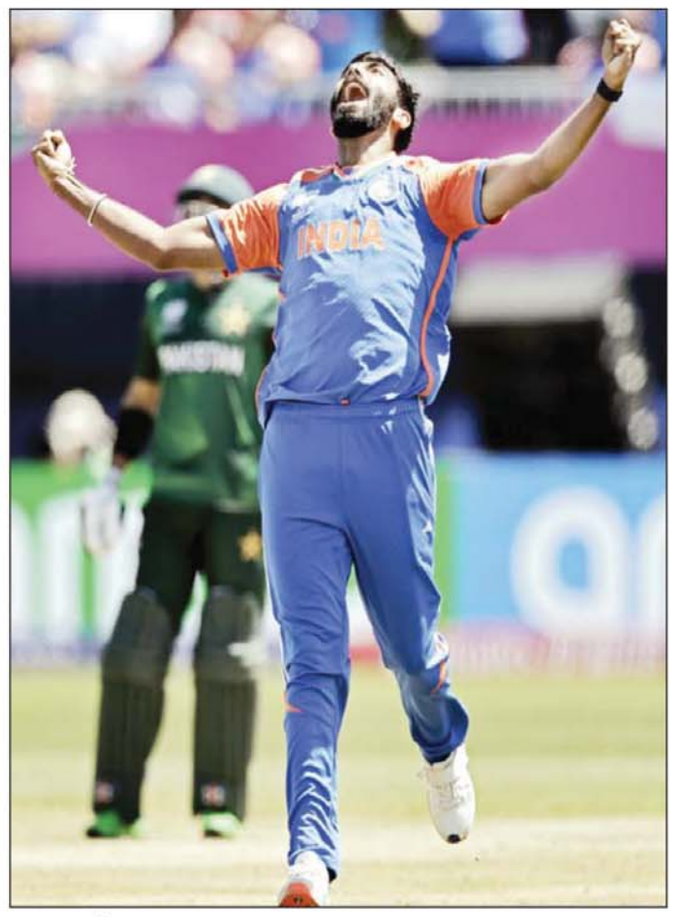

न्यूयॉर्क : पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को आउट करने पर जसप्रीत बुमराह।

बुमराह जीनियस है, इसी मानसिकता से आगे भी खेले : रोहित शर्मा

न्यूयॉर्क (भाषा)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जसप्रीत बुमराह को 'जीनियस' करार देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि यह तेज गेंदबाज टी-20 विश्व कप में आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखे। बुमराह की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने अपने कम स्कोर का बचाव करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को छह रन से हराया।

रोहित ने कहा, 'उसके (बुमराह) प्रदर्शन में लगातार निखार आ रहा है। हम सभी जानते हैं कि वह क्या कर सकता है। उसके बारे में बहुत अधिक बात नहीं करूंगा। हम चाहते हैं कि वह पूरे विश्व कप में इसी तरह की मानसिकता के साथ खेले। वह जीनियस है। हम सभी यह जानते हैं।' भारतीय कप्तान ने कहा कि कम स्कोर बनाने के बावजूद उनको मैच जीतने का विश्वास था। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जिस तरह का गेंदबाजी आक्रमण है उससे हम आश्वस्त थे। जब वे बल्लेबाजी कर रहे थे तो हमने आपस में कहा कि अगर हमारे साथ ऐसा हो सकता है तो उनके साथ भी हो सकता है।'

रोहित ने कहा, 'हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। पारी के आधे भाग तक हम अच्छी स्थिति में थे। हम अच्छी साझेदारी नहीं की। हमने बात की कि इस तरह की पिच पर प्रत्येक रन मायने रखता है। ईमानदारी से कहूं तो पिछले मैच की तुलना में यह अच्छा विकेट था।'

संक्षिप्त खबरें

गुलवीर ने 5,000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

पोर्टलैंड (अमेरिका)। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने 'पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफोरमेंस' प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहकर पुरुषों की 5,000 मीटर स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 'पॉल बंटा मेमोरियल रेस' में हिस्सा लेते हुए इस 26 वर्षीय एथलीट ने 13:18.92 सेकेंड का समय निकाला जो अविनाश साबले के पिछले साल लास एंजिल्स में बनाए गए 13:19.30 सेकेंड के समय के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर रहा। अब गुलवीर के नाम 10,000 मीटर और 5,000 मीटर दोनों रेस का राष्टीय रिकॉर्ड है।

लामिछाने आखिरी दो लीग मैच के लिए टीम से जुड़ेंगे

किंग्सटाउन। नेपाल के स्टार क्रिकेटर संदीप लामिछाने टी-20 विश्व कप के वेस्ट इंडीज में होने वाले अंतिम दो लीग मैच के लिए राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे। नेपाल क्रिकेट संघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका ने लामिछाने को वीजा देने से इनकार कर दिया था जिस कारण वह नेपाल के अमेरिकी चरण के मैचों में नहीं खेल पाए थे। इस 23 वर्षीय स्पिनर को पहले नेपाल की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था। नेपाल क्रिकेट संघ ने बयान ने कहा, 'हम आपको सूचित करते हैं कि नेपाल के खिलाड़ी संदीप लामिछाने को वेस्ट इंडीज में खेले जा रहे टी-20 विश्व कप के लिए नेपाल की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।'

कनाडा पर बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगा पाक

न्यूयॉर्क (भाषा)। अमेरिका से उलटफेर का शिकार होने के बाद भारत के हाथों हार से आहत पाकिस्तानी टीम मंगलवार को टी-20 विश्व कप में ग्रुप चरण के मैच में कनाडा के खिलाफ मुकाबले में बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी क्योंकि उसके पास खेलने के लिए ज्यादा कुछ नहीं बचा है लेकिन गंवाने के लिए सबकुछ है। ग्रुप ए के शुरुआती मैच में सह मेजबान अमेरिका से सुपर ओवर में पराजित होने के बाद पाकिस्तान को रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से कम स्कोर वाले मुकाबले में छह रन की हार झेलनी पड़ी।

> ■ मैच भारतीय समय के अनुसार रात 8.00 बजे से

पाकिस्तान का अब सुपर आठ में क्वालीफाई करने का मौका कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ बड़ी जीत पर निर्भर करेगा, लेकिन इसके लिए उसे उम्मीद करनी होगी कि अमेरिकी टीम भारत और आयरलैंड के खिलाफ मुकाबलों में बुरी तरह हार जाए। इस हालत में दोनों टीमों के चार चार अंक होंगे और फैसला बेहतर नेट रन रेट से होगा। पाकिस्तान की टीम इस तरह आंकड़े अपने पक्ष में रहने की बस दुआ ही कर सकती है।

अमेरिका का नेट रन रेट दो जीत के बाद प्लस 0.626 है और आयरलैंड के खिलाफ जीत उसके लिए काफी होगी। वहीं पाकिस्तान का नेट रन रेट -0.150 है। जिससे उसे जीत नहीं बल्कि बड़े अंतर से जीत की दरकार होगी। अभी तक दोनों मैच में 2009 की चैंपियन उस तरह की मजबूत नहीं दिखी है जिसके लिए वह कभी मशहूर हुआ करती थी। बाबर आजम की कप्तानी पर भी कोई स्पष्टता नहीं दिखती।

न्यूयार्क : लिटन दास को आउट करने पर केशव महाराज को बधाई देते साथी।

आईओए, डब्ल्यूएफआई ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को पूरा सहयोग देगा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को पूर्ण सहायता प्रदान करेगा तथा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है। छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है।

आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें।' आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों।

नागल एटीपी रैंकिंग में 77वें स्थान पर, पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने को तैयार

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में 18 पायदान की छलांग से 77वें स्थान पर पहुंच गए हैं जिससे उनका पेरिस ओलंपिक पुरुष एकल ड्रॉ में स्थान लगभग पक्का हो गया है। नागल के 713 एटीपी अंक हैं। नागल ने रविवार को जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप 2024 चैलेंजर टूर्नामेंट में पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया जिसकी बदौलत उन्होंने रैंकिंग में इतनी ऊंची छलांग लगायी।

सोमवार को जारी रैंकिंग से ही पेरिस ओलंपिक के लिए प्रविष्टियों पर फैसला होगा। पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन मानदंड के अनुसार पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग में शीर्ष 56 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए स्वतः क्वालीफाई कर लेंगे। लेकिन प्रत्येक देश से अधिकतम चार खिलाड़ी ही ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकेंगे और इस नियम से निचली रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को ड्रॉ में प्रवेश का मौका मिलेगा। नागल ड्रॉ में अंतिम उपलब्ध रैंकिंग स्थान हासिल करने की अच्छी स्थिति में हैं। भारत के लिए अंतिम बार ओलंपिक के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले खिलाड़ी सोमदेव देववर्मन थे जिन्होंने वाइल्डकार्ड की बदौलत 2012 ओलंपिक में ऐसा किया था।

स्कॉटलैंड की ओमान को सात विकेट से जीत

नॉर्थ साउंड (भाषा)। ब्रेंडन मैकमुलेन के नाबाद अर्धशतक की मदद से स्कॉटलैंड ने टी-20 विश्व कप में ओमान को 41 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। ओमान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 150 रन बनाए। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज प्रतीक अठवाले ने 54 रन और अयान खान नाबाद 41 रन का योगदान दिया। स्कॉटलैंड की तरफ से सैफियान शरीफ सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 40 रन दे कर दो विकेट लिए।

> ■ स्कॉटलैंड के ब्रेंडन मैकमुलेन ने खेली नाबाद 61 रन की पारी
>
> ■ जॉर्ज मुंशे ने खेली 41 रन की पारी

स्कॉटलैंड ने 13.1 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। उसकी जीत के नायक मैकमुलेन रहे जिन्होंने 31 गेंद पर नाबाद 61 रन बनाए जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुंशे ने 20 गेंद पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर स्कॉटलैंड को आक्रामक शुरुआत दिलाई। स्कॉटलैंड की तीन मैच में यह दूसरी जीत है जबकि इंग्लैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं खेला जा सका था। स्कॉटलैंड के पांच अंक हैं जबकि आस्ट्रेलिया दो मैच में चार अंक लेकर ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर है।

एम 2 एम सुपर सिक्स में नॉर्दन यूनाइटेड रेस में

नई दिल्ली। नॉर्दन यूनाइटेड एफसी ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए विक्ट्री एफसी को 5-1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन लीग में पूरे अंक अर्जित किए। विजेता टीम के लिए फौजान, मिलिंद, हेमंत, जौलिन और शौर्य ने गोल जमाए। पराजित टीम का इकलौता गोल प्रवीण ने किया। शौर्य को प्लेयर ऑफ द मैच आंका गया। विजेता टीम सुपर सिक्स की दौड़ में शामिल हो गई है।

नेहरू स्टेडियम पर खेले गए एक अन्य मैच में एम2 एम ने विष्णु बहादुर के दो शानदार गोलों से यंग ब्वायज को 2-0 से परास्त किया। एम 2एम ने सुपर सिक्स में प्रवेश कर लिया है। यंग बॉयज और विक्ट्री अंक तालिका में निचले स्तर पर खड़ी हैं। अपने ग्रुप में सबसे पीछे चल रही विक्ट्री ने हालांकि बेहतर प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी लेकिन कमजोर रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति को सहयोग नहीं मिल पाने के कारण नॉर्दन यूनाइटेड हावी होती चली गई। मिलिंद, शौर्य, जौलीन और फैजान ने विक्ट्री की रक्षापंक्ति को झकझोर कर रख दिया। गोल कीपर पीपीपी ने भरसक प्रयास किया लेकिन वह भी कब तक बचाव करता। एम 2 एम की जीत का आकर्षण उसके खिलाड़ियों का तालमेल रहा। बिरेंद्र, कुशाग्र, अभिषेक गुप्ता और प्रियांशु तालमेल पर विष्णु के गोल टीम की उन्नति में काम आए।

डीडीसीए हॉट वेदर क्रिकेट : सरोजनी नगर जिमखाना ने जीता उद्घाटन मैच

नई दिल्ली। उदय चावला (128 रन) की शतकीय पारी और सिद्धार्थ वालिया (52 रन, 2/53) के ऑलराउंड प्रदर्शन और कृदय मारवाह (3/32) की अच्छी गेंदबाजी की मदद से मॉडर्न स्कूल ग्राउंड में आज से शुरू हुए डीडीसीए हॉट वेदर क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में सरोजनी नगर जिमखाना ने रानी बाग क्रिकेट क्लब पर छह विकेट से जीत दर्ज की। उद्घाटन के अवसर पर डीडीसीए लीग कमेटी के सदस्य और क्लब सेक्रेटरी मौजूद थे। **संक्षिप्त स्कोर -** रानी बाग क्रिकेट क्लब : 40 ओवर में 214/9 (नरेश पांडे 47 रन, क्रिधे मारव्हा 3/32, सिद्धार्थ वालिया 2/53)। सरोजनी नगर जिमखाना : 28 ओवर में 218/4 (उदय चावला 128 रन, सिद्धार्थ वालिया 52 रन, अंशू कौशिक 2/55)

विवेकांश ने शतक लगाया

विवेकांश राणा (100 रन ना.) की शतकीय पारी, अमन दुबे (63 रन ना.) और भरत सिंधवानी (3/24) व रोहित राय (3/34) की अच्छी गेंदबाजी से एकता क्लब ने आनंद स्पोर्ट्स को 10 विकेट से हराया। **संक्षिप्त स्कोर -** आनंद स्पोर्ट्स : 40 ओवर में 160/9 (परीक्षित भाटी 56 रन, भरत सिंधवानी 3/24, रोहित राय 3/34)। एकता क्लब : 14 ओवर में 166/0 (विवेकांश राणा 100 रन ना., अमन दुबे 63 रन ना.)।

समर्थ का शतक, विशांत का ऑलराउंड खेल

समर्थ सिंह (109 रन ना.) की शतकीय पारी और विशांत भाटी (61 रन ना., और 3/21) के ऑलराउंड खेल, ध्रुव पाल (2/15) की मदद से हर्षा स्पोर्ट्स ने जाट हीरोज को नौ विकेट से हराया। **संक्षिप्त स्कोर -** जाट हीरोज : 37 ओवर में 185/10 (हरबज खान 63 रन, विशांत भाटी 3/21, ध्रुव पाल 2/15)। हर्षा स्पोर्ट्स : 15 ओवर में 187/1 (समर्थ सिंह 109 रन ना., विशांत भाटी ने 61 रन ना.)।

वंश मेहरा के शतक से राजिंदर नगर कोल्ट्स जीता

वंश मेहरा (101 रन) शतक और निक्की (71 रन, 1/31) के ऑलराउंड खेल, मयंक गुसाईं (67 रन) की पारी और जसवेंद्र अडवानी (3/23) व केशव दुआ (2/25) की गेंदबाजी से राजिंदर नागर कोल्ट्स ने रघुबीर विलोवर्स को नौ विकेट से हराया। **संक्षिप्त स्कोर -** रघुबीर विलोवर्स : 40 ओवर में 243/8 (दीपांशु गर्ग 87 रन, जसवेंद्र अडवाणी 3/23, केशव दुआ 2/25)। राजिंदर नगर कोल्ट्स : 23 ओवर में 247/1 (वंश मेहरा 101 रन ना., निक्की 71 रन, मयंक गुसाईं 67 रन)

पूसा यंगस्टर्स की जीत

शौर्य प्रताप सिंह (70 रन) के अर्धशतक, सक्षम (47 रन) और ध्रुव सरसूनिया (3/49) व यशवीर नागर (2/14) की अच्छी गेंदबाजी की मदद से पूसा यंगस्टर्स ने बीएसएनएल को नौ विकेट से हराया। **संक्षिप्त स्कोर -** बीएसएनएल : 30 ओवर में 144/10 (वरुण कुमार 58 रन, ध्रुव सरसूनिया 3/49, यशवीर नागर 2/14)। पूसा यंगस्टर : 12 ओवर में 146/1 (शौर्य प्रताप सिंह 70 रन, सक्षम 47 रन)।

हरि के ऑलराउंड खेल से क्रिकेट सेंटर जीता

नई दिल्ली। मैन ऑफ द मैच हरि गर्ग (51 रन, 2/1) के ऑलराउंड प्रदर्शन, वीर सिंह (54 रन), दक्ष चाहर (3/29), रूपेश ठाकुर (3/30) के शानदार खेल की बदौलत क्रिकेट सेंटर (37 ओवर में 175 रन पर आल आउट) ने चौथे हरकोर्ट बटलर क्रिकेट टूर्नामेंट में वंडर क्रिकेट क्लब (35 ओवर में 172 रन पर ऑलआउट) पर तीन रन से जीत दर्ज की। पराजित टीम की ओर से अथर्व सिंह ने 32 रन, आर्यन ने 28रन बनाए जबकि शौर्य राय (3/30) ने अच्छी गेंदबाजी की।

महिला क्रिकेट : आनंदिता किशोर

प्लेयरऑफ द मैच आनंदिता किशोर (3/36) की शानदार गेंदबाजी, मुखरा भारद्वाज (38 रन) व ए. मल्होत्रा (27 रन) की पारियों से क्रिकेट अकादमी बाय रोहित शर्मा (27 ओवर में 159/10) ने स्पोर्ट्स पहले शांति देवी महिला अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में आर्यवर्त स्कूल (122/10) को 37 रन से हरा दिया। पराजित टीम की ओर से तानिका शर्मा ने 61 रन बनाए जबकि तनु मेहरा (3/23) ने अच्छी गेंदबाजी की।

लक्ष्य का शतक, कृतज्ञ की घातक गेंदबाजी

लक्ष्य शर्मा (108 रन, 72 गेंद) अव्यान (49 रन) व मानस (42 रन) की पारियों और कृतज्ञ (6/26) की घातक गेंदबाजी, सिद्धान्त भारद्वाज (2/22) के खेल की बदौलत कुशाल क्रिकेट कोचिंग क्लीनिक (31 ओवर में 237/7) ने पहले गुरमीत कौर मेमोरियल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट में क्रूर क्रिकेट क्लब (38 ओवर में 236/10) को तीन विकेट से हरा दिया। पराजित टीम की ओर से मयंक अरोरा (100 रन) ने शतकीय पारी खेली जबकि युवान पाठक ने 51 रन बनाए। लक्ष्य शर्मा और कृतज्ञ को सुंक्तरूप से मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया।

ज्योतिष शास्त्र

ग्रहों के अनुसार घर में लगाएं पेड़, दूर होंगे दोष, लक्ष्मीजी हो जाएंगी प्रसन्न

चिलचिलाती गर्मी, तपती धूप से जल्द ही राहत मिलने वाली है। जून के अंत में कई राज्यों में मानसून आ जाता है। बारिश के मौसम में पेड़ लगाना न सिर्फ पर्यावरण के लिहाज से अच्छा है, बल्कि ये आपके जीवन को भी प्रभावित करता है। शास्त्रों के अनुसार ग्रहों के अनुसार पेड़ लगाने पर कुंडली में उस ग्रह की अशुभता दूर होती है। साथ ही किसी काम में बाधा भी नहीं आती। ग्रह दोष शांत होते हैं। ज्योतिष शास्त्र में हर ग्रह, राशि व नक्षत्र के वृक्ष हैं। इन्हें लगाने से फायदा होता है। जानें ग्रह और नक्षत्र के अनुसार कौन सा पेड़ लगाना शुभफलदायी होगा।

यह पौधे सभी राशियों के लिए शुभ : नागचंपा, अशोक, जूही, अर्जुन, नारियल आदि के पौधे या पेड़ लगाना सभी राशियों के लिए शुभ माना जाता है।

ग्रहों के अनुसार पेड़ - पौधे

सूर्य : मदार का पेड़।

चंद्र : पलाश या पोस्त का पेड़।

मंगल : नीम, ढाक या खैर का पेड़।

बुध : अपामार्ग का पेड़, केला या चौड़े पत्ते के पौधे।

गुरु : पारस पीपल, पीपल या केले का पेड़।

शुक्र : मूलर का पेड़, कपास का पौधा और बेलदार पौधे जैसे मनी प्लांट।

शनि : शमी का पेड़, कीकर, आक, खजूर भी है।

राहु : दूर्वा घास, नारियल का पेड़ या चंदन का पेड़।

केतु : कुशा का पेड़, इमली का पेड़, तिल के पौधे और केले के पेड़।

नक्षत्र अनुसार लगाएं पौधे : अश्विनी के लिए कोचिला, भरणी के लिए आंवला, कृतिका के लिए गूलहड़, रोहिणी के लिए जामुन, मृगशिरा के लिए खैर, आर्द्रा के लिए शीशम, पुनर्वसु के लिए बांस पुष्य के लिए पीपल, अश्लेषा के लिए नागकेसर, मधा के लिए बट, पूर्वा के लिए पलाश, उत्तरा के लिए पाकड़, हस्त के लिए रीठा, चित्रा के लिए बेल स्वाती के लिए अर्जुन, विशाखा के लिए कटैया, अनुराधा के लिए भालसरी, ज्येष्ठा के लिए चीर, मूल के लिए शाल, पूर्वाषाढ़ के लिए अशोक, उत्तराषाढ़ के लिए कटहल, श्रवण के लिए अकौन, धनिष्ठा के लिए शमी, शतभिषा के लिए कदम्ब, पूर्वाभाद्रपद के लिए आम, उत्तराभाद्रपद के लिए नीम, रेवती नक्षत्र के लिए महुआ पेड़

15 जून को सूर्यदेव मिथुन राशि में करेंगे प्रवेश, इन राशि वालों की चमकेगी किस्मत

ग्रहों के अधिपति भगवान सूर्य 15 जून की सुबह 4 बजकर 27 मिनट पर वृषभ राशि की यात्रा समाप्त करके मिथुन राशि में प्रवेश कर रहे हैं, जहां ये 16 जुलाई की दोपहर 11 बजकर 19 मिनट तक गोचर करेंगे उसके बाद कर्क राशि में चले जाएंगे। मिथुन राशि पर इनका गोचरकाल का अन्य राशियों पर कैसा प्रभावकारी रहेगा?

मेष राशि: राशि से तृतीय पराक्रम भाव में गोचर करते हुए सूर्यदेव का प्रभाव आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कार्य व्यापार में उन्नति तो होगी ही सामाजिक पद प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। आध्यात्मिक मामलों में भी रुचि और बढ़ेगी। सरकारी सर्विस के लिए प्रयास करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह-गोचर बेहद अनुकूल रहेगा। परिवार के वरिष्ठ सदस्योंसे मतभेद बढ़ने न दें। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए किया गया प्रयास भी सफल रहेगा।

वृषभ राशि : राशि से द्वितीय धन भाव में गोचर करते हुए सूर्यदेव का प्रभाव कई तरह के अप्रत्याशित परिणाम दिलाएगा। यद्यपि आर्थिक पक्ष मजबूत होगा किंतु किसी न किसी कारण से पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति का सामना करना ही पड़ेगा। स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशीलन रहें। महंगी वस्तुओं का क्रय करेंगे। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। कई बार अधिक बोलना आपके लिए नुकसानदेय सिद्ध हो सकता है, इसलिए अपनी योजनाओं को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे।

मिथुन राशि : आपकी राशि में गोचर करते हुए सूर्यदेव का प्रभाव शारीरिक पीड़ा दे सकता है, किंतु आप में साहस और पराक्रम की वृद्धि भी करेगा। निर्णय लेने की शक्ति बढ़ेगी। शासनसत्ता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में सर्विस आज के लिए आवेदन करना हो तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर बेहद अनुकूल रहेगा। विद्यार्थियों और प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों को परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए और प्रयास करने होंगे। वैवाहिक वार्ता सफल होने में थोड़ा और समय लगेगा।

कर्क राशि : राशि से बारहवें व्यय भाव में गोचर करते हुए सूर्यदेव अत्यधिक भागदौड़ का सामना तो करवाएंगे ही कहीं न कहीं आप थकान का भी अनुभव करेंगे। किसी मित्र से बिछड़ने का अप्रिय समाचार भी मिल सकता है। न्यायिक मामलों में सफलता मिलेगी। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा।

पोषक तत्वों का है खजाना, शुगर पर भी लगाता है लगाम

वजन और कोलेस्ट्रॉल कम करने में अमृत समान है 'कोदो'

कोदो का नाम हममें से अधिकांश लोगों ने सुना ही होगा, लेकिन इसके गुणों के बारे में कम ही लोगों को पता होगा। कोदो पोषक तत्वों का पावरहाउस है। कोदो में प्रोटीन, विटामिन, मिनिरल्स से लेकर एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना छिपा हुआ है। वैसे तो जितने भी मोटे अनाज होते हैं, उनमें अद्भुत गुण पाए जाते हैं, लेकिन कोदो का जवाब नहीं। कोदो में गेहूं, धान की तुलना में कई गुना अधिक प्रोटीन और फाइबर होता है। संयुक्त राष्ट्र ने कोदो को प्रमुख मिलेट्स में शामिल किया है। कोदो में गुड फैट होता है जो कोलेस्ट्रॉल समेत कई खतरनाक लेवल को कम करता है। कोदो का नियमित सेवन से कई बीमारियों को शरीर से भगाया जा सकता है। कोलेस्ट्रॉल से लेकर ब्लड शुगर तक को कम करने में यह अमृत समान है।

1. डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद- एनसीबीआई रिसर्च पेपर के मुताबिक कोदो का सेवन शुगर पर लगाम लगा सकता है। इसमें कई तरह के फायटोकेमिकल्स और पोलीफेनॉल होते हैं। साथ ही इसमें पर्याप्त मात्रा में फाइबर होता है। इस कारण यह खून में शुगर को तेजी से बढने नहीं देता. साथ ही ज्यादा फाइबर होने के कारण यह भूख को कंट्रोल करता है। इसलिए जिन लोगों को मोटापा पर कंट्रोल करना है, उनके लिए भी कोदो बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।
2. हार्ट डिजीज का खतरा कम-कोदो में पोलीसैचुरेटेड फैट पाया जाता है जो हार्ट के मसल्स को रिलेक्स पहुंचाने में मदद करता है। इसके साथ ही इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इस कारण यह हार्ट डिजीज के जोखिम को कम कर सकता है।
3. हड्डियों को मजबूत बनाता-कोदो में 18 प्रतिशत कैल्शियम होता है। इसके अलावा इसमें जिंक, मैग्नीज और मैग्नीशियम भी मौजूद होता है। इस कारण कोदो का नियमित सेवन कर हड्डियों को मजबूत बनाया जा सकता है।
4. किडनी के लिए पा य दे मं द - को दो मिलेट में हाई फाइबर और पोटैशियम होता है जो किडनी से संबंधित दिक्कतों से राहत दिला सकता है। कोदो से शरीर में बढ़ा हुआ यूरिक एसिड कम हो सकता है। इसलिए यह किडनी में पत्थर की समस्याओं से भी दूर रख सकता है।
5. पाचन तंत्र शक्तिशाली - सभी तरह के मोटे अनाज से पाचन तंत्र को शक्तिशाली बनाया जा सकता है। कोदो में मौजूद फाइबर और फायटोकेमिकल आंत की लाइनिंग को स्मूथ करता है जिससे बाओल मूवमेंट बेहतर होता है। इसलिए यह पाचन शक्ति को बहुत मजबूत बना देता है।

महिलाओं को इन 5 बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा!

महिलाओं के लिए हेल्दी रहना पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा चैलेंजिंग होता है। महिलाओं को हेल्थ से संबंधित परेशानियां ज्यादा होती हैं और इनसे बचने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। महिलाओं को इन बीमारियों से बचने के लिए अच्छी लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए और समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराना चाहिए। आज आपको बता रहे हैं कि महिलाओं को कौन सी 5 बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा होता है और इनसे किस तरह बचा जा सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं को हार्ट डिजीज का खतरा सबसे ज्यादा होता है। यूएस सीडीसी के आंकड़ों के अनुसार साल 2019 में अमेरिका में करीब 20 प्रतिशत मौतें हार्ट डिजीज की वजह से हुई थीं। महिलाओं को 40 से 60 की उम्र के बीच हार्ट डिजीज का खतरा होता है और उन्हें इसका पता भी नहीं चलता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो अच्छी लाइफस्टाइल और बेहतर खान-पान से हार्ट डिजीज का खतरा 82% कम हो सकता है।

ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं को होने वाला सबसे कॉमन कैंसर होता है। हर साल लाखों की संख्या में महिलाएं इस जा न ले वा बीमारी की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं। फै मि ली हिस्ट्री से लेकर तमाम फैक्टर ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। इससे बचने के लिए महिलाओं को अच्छी लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट के अलावा समय-समय पर कैंसर की स्क्रीनिंग करानी चाहिए. वक्त रहते कैंसर का पता लग जाए, तो इसे ठीक भी किया जा सकता है।

महिलाओं को ओवेरियन और सर्वाइकल कैंसर का खतरा भी ज्यादा होता है। सर्विकल कैंसर बच्चेदानी के मुंह का कैंसर होता है, जबकि ओवेरियन कैंसर अंडाशय का कैंसर होता है। सर्वाइकल कैंसर का खतरा एचपीवी वैक्सीन के जरिए 90 फीसदी तक कम किया जा सकता है। अगर बच्चियों को 9 साल के बाद इस वैक्सीन को लगा दिया जाए, तो सर्वाइकल कैंसर को रोका जा सकता है। ओवेरियन कैंसर से बचने के लिए समय-समय पर स्क्रीनिंग बेहद जरूरी है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो महिलाओं को एंजायटी और डिप्रेशन का खतरा करीब 3 गुना ज्यादा होता है। एंजायटी और डिप्रेशन का असर मेंटल हेल्थ पर ही नहीं, बल्कि फिजिकल हेल्थ पर भी बुरी तरह होता है। इससे बचने के लिए महिलाओं को स्ट्रेस को मैनेज करना चाहिए और खुश रहने की कोशिश करनी चाहिए. साइकेट्रिस्ट की मदद से आप एंजायटी और डिप्रेशन से छुटकारा पा सकते हैं।

अमेरिकन सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव मेडिसिन के अनुसार, इनफर्टिलिटी की समस्या महिलाओं को ज्यादा परेशान करती है। जानकारों की मानें तो 30-35 साल के बाद महिलाओं की फर्टिलिटी में गिरावट आने लगती है और कई बार यह प्रेग्नेंसी में बाधा बनने लगती है। इसके अलावा भी महिलाओं को कई तरह की रिप्रोडक्टिव समस्याओं का खतरा ज्यादा होता है। इससे बचने के लिए समय-समय पर डॉक्टर से मिलकर चेकअप कराना चाहिए।

सुबह-सुबह दांत ब्रश करने चाहिए या रात को? अधिकतर लोग कर रहे गलती

ओरल हेल्थ बेहतर बनाए रखने के लिए दांतों की सफाई बहुत जरूरी होती है। दांतों की सही तरीके से सफाई न की जाए तो इनमें प्लाक और बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं, जिससे कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। डेंटिस्ट लोगों को दिन में दो बार सुबह और शाम अच्छी तरह दांतों को ब्रश करने की सलाह देते हैं। हालांकि, बड़ी संख्या में लोग दिन में एक ही बार ब्रश करते हैं। लोगों को लगता है कि सुबह-सुबह ब्रश करने से दांतों को साफ और हेल्दी रखा जा सकता है, लेकिन एक्सपर्ट की राय इस मामले पर अलग है।

नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित गुलाटी डेंटल क्लीनिक के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. वैभव गुलाटी ने बताया कि दांतों को साफ रखने के लिए रोजाना दो बार ब्रश करना बेहद जरूरी होता है। लोगों को सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले ब्रश करना चाहिए। रात के वक्त ब्रश करने की सलाह इसलिए दी जाती है, क्योंकि रात के वक्त मुंह कई घंटों तक बंद रहता है, जिसकी वजह से दांतों में प्लाक और बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं। ऐसी कंडीशन में दांतों और मसूड़ों में इंफेक्शन समेत कई तरह की परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए सुबह-शाम ब्रश जरूर करना चाहिए।

होने लगती ओरल हेल्थ से संबंधित बीमारियां

डॉक्टर वैभव गुलाटी का कहना है कि अगर आप दिन में सिर्फ एक बार ब्रश कर पा रहे हैं, तो आप रात के वक्त ब्रश करना चाहिए। दरअसल, रात में लंबे वक्त तक खाना और अन्य चीजें हमारे दांतों के अंदर रहती है, जिससे बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं। इससे ओरल हेल्थ से संबंधित बीमारियां होने लगती हैं। इससे बचने के लिए लोगों को रात के वक्त ब्रश जरूर करना चाहिए। आमतौर पर दिन में लोग पानी पीते हैं और कुल्ला करते हैं, जिससे दांतों की सफाई होती रहती है। जबकि रात के वक्त मुंह बंद रहता है और बैक्टीरिया का अटैक ज्यादा होता है। एक्सपर्ट की मानें तो दांतों और मसूड़ों को हेल्दी रखने के लिए रोजाना दो बार ब्रश करना चाहिए। टूथब्रश अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए और टूथपेस्ट भी अच्छा होना चाहिए। इसके अलावा लोगों को जंक फूड्स, सोडा, कोल्ड ड्रिंक्स, चाय-कॉफी का सेवन कम से कम करना चाहिए। इन चीजों से हमारे दांतों की रंगत खराब हो सकती है और ओरल हेल्थ खराब हो सकती है। लोगों को समय-समय पर डेंटिस्ट से मिलकर जांच करानी चाहिए।

बेहद पावरफुल है शंखपुष्पी फूल हार्ट के लिए भी है दमदार

ब्रेन टॉनिक के साथ-साथ कई बीमारियों के जोखिम को कर सकता है कम

शंखपुष्पी का नाम सुनते ही लोगों के दिमाग में ब्रेन टॉनिक आ जाता है। निःसंदेह शंखपुष्पी ब्रेन के लिए बहुत फायदेमंद है, लेकिन इसके अन्य भी कई तरह के फायदे हैं। विज्ञान के हिसाब से भी मानें तो शंखपुष्पी ऑवरहेल्थ के लिए बेहतरीन चीज है। शंखपुष्पी को मॉर्निंग ग्लोरी कहा जाता है। आयुर्वेद में शंखपुष्पी का कई तरह की बीमारियों में इस्तेमाल किया जाता है। शंखपुष्पी हार्ट के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा यह मूड को सही रख सकता है। वहीं अल्सर, मिर्गी, उल्टी, बुखार, डायबिटीज, अनिद्रा, एनोरेक्सिया, सन स्ट्रोक, ब्लीडिंग, डाइजेशन, इंफेक्शन आदि में भी शंखपुष्पी बहुत फायदेमंद है।

शंखपुष्पी के अद्भुत फायदे

हार्ट के लिए फायदेमंद- एक रिपोर्ट के मुताबिक शंखपुष्पी में एथेनोलिक एसिड हार्ट को बहुत फायदा पहुंचाता है। यह शरीर में फैटी एसिड को कम करता है, जिसके कारण ब्लड वैसल्स को रिलेक्स फील होता है और खून की नलियों में बैड कोलेस्ट्रॉल के जमा होने का जोखिम कम हो जाता है। अध्ययन के मुताबिक शंखपुष्पी से प्राप्त कंपाउड हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट ब्लॉक, आर्टरीज में ब्लड क्लॉट के जोखिम को कम कर सकता है।

दिमाग का टॉनिक- अधिकांश लोग शंखपुष्पी को बेन टॉनिक मानते हैं। यह बात विज्ञान के हिसाब से भी सच है। रिसर्च के मुताबिक शंखपुष्पी में एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवेनोएड्स कंपाउड होते हैं जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम को सक्रिय करते हैं। सेंट्रल नर्वस सिस्टम से याददाश्त का मैकेनिज्म कंट्रोल होता है। यही कारण है शंखपुष्पी का इस्तेमाल दिमागी क्षमता बढ़ाने में किया जाता है। शंखपुष्पी का सेवन करने से मानसिक थकान को भी दूर हो सकता है।

बेचैनी और अवसाद कम- चिंता, बेचैनी, अवसाद जैसी समस्याओं को शंखपुष्पी कम कर सकता है। स्टडी के मुताबिक शंखपुष्पी में एंटी-स्ट्रेस, एंटी-डिप्रेसिव, एंटी-एंग्जाइटी गुण होता है। यानी तनाव के कारण होने वाली परेशानियों को शंखपुष्पी कम कर सकती है। शंखपुष्पी में दिमाग में केमिकल न्यूरोट्रांसमीटर को संतुलित करता है जिससे शरीर में डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है और इससे सेरोटोनिन और कॉर्टिसोल हार्मोन कम हो जाता है। इन सबसे मूड बेहतर रहता है।

इन लोगों को भूलकर भी नहीं पीनी चाहिए कॉफी, नहीं तो सेहत के लिए बन जाएगी मुसीबत

कॉफी पीने के साथ भले ही सुबह की सुस्ती दूर भाग जाती हो, लेकिन दो कप से ज्यादा पिया जाए तो ये कई सारी सेहत की समस्याओं को बढ़ा देता है। गैस, एसिडिटी के साथ ही कॉफी पीने से ग्लूकोमा और यूरिन में भी समस्या पैदा होने लगती है। मॉर्निंग ड्रिंक में अक्सर लोग कॉफी पीना पसंद करते हैं। एनर्जी बूस्ट करने के साथ ही ये नींद भगाने में भी मदद करती है। अक्सर लोग सुस्ती भगाने के लिए कॉफी पीते हैं। कॉफी के कई सारे फायदे भी बताए गए हैं। अगर ब्लैक कॉफी पी जाए तो ये हार्ट फेलियर के रिस्क को कम करती है और प्रोस्टेट कैंसर के रिस्क को भी घटाती है। लेकिन, कॉफी के फायदे कम और नुकसान ज्यादा है। खासतौर उन लोगों को जो इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्हें कॉफी भूलकर भी नहीं पीनी चाहिए।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम

कैफीन की वजह से बाउल रेगुलेरिटी बढ़ जाती है। कॉफी पीने से डायरिया होने के चांस रहते हैं। जो कि इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का एक लक्षण है। जिन लोगों को बार-बार डायरिया होता है या लूज मोशन की समस्या रहती है। इरिटेबल बाउल सिंड्रोम है तो उन्हें ज्यादातर कॉफी को अवॉएड करना चाहिए।

ग्लूकोमा के मरीज

रिसर्च के मुताबिक कैफीन की वजह से ग्लूकोमा का रिस्क बढ़ जाता है। कॉफी पीने की वजह से इंट्राऑक्यूलर प्रेशर उन लोगों में बढ़ जाता है जो ग्लूकोमा के मरीज हैं।

ओवर एक्टिव ब्लैडर

जिन लोगों को बार-बार यूरिन होने की शिकायत है, उन्हें कॉफी पीने से परहेज करना चाहिए। हार्ट डिसीज के लोगों को कॉफी पीने से बचना चाहिए। कॉफी पीने से हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर दोनों ही बढ़ जाता है। ऐसे में हाई बीपी वालों और हार्ट के मरीजों को कॉफी पीने से पूरी तरह से बचना चाहिए।

प्रेग्नेंट वूमन : द अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टैट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के मुताबिक प्रेग्नेंट वुमन को करीब 200 मिलीग्राम से ज्यादा कॉफी नहीं पीनी चाहिए। 200 मिलीग्राम लगभग दो कप। ज्यादा कॉफी मिसकैरेज, प्रीमेच्योर लेबर और लो बर्थ वेट को बढ़ा देती है। हालांकि, प्रेग्नेंट वुमन के लिए कॉफी

स्लीप डिसऑर्डर

जिन लोगों को नींद ना आने की समस्या है। उन्हें कॉफी से पूरी तरह से दूर रहना चाहिए। कॉफी की वजह से खराब नींद और सुस्ती की समस्या होती है। स्लीप फाउंडेशन के मुताबिक करीब बेड टाइम के 6 घंटे पहले कॉफी को अवॉइड करना चाहिए।

पैनिक अटैक्स और एंजायटी के मरीज हों

कॉफी पीने से एंजायटी की समस्या बढ़ जाती है। अगर आप एंजायटी और उसकी वजह से पैनिक अटैक्स की समस्या से जूझ रहे हैं तो भूलकर भी कॉफी ना पिएं।

गैस और एसिडिटी की समस्या हो

जिन लोगों को गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स की समस्या है। उन्हें कॉफी के कप से दूर रहना चाहिए। कैफीन इसोफेगस और स्टमक के बीच के वॉल्व को ढीला कर देती है। जिसकी वजह से पेट में बनने वाला एसिड इसोफेगस में पहुंच जाता है और गैस्ट्रो इसोफेगल रिफ्लक्स की समस्या को बढ़ा देता है।

सपा जनों ने पार्टी हाई कमान के निर्देश पर नीट परीक्षा लिंक के संबंध में जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर व छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ इमरान के नेतृत्व में नीट परीक्षा लिक के संबंध में महामहिम राष्ट्रपति महोदय भारत सरकार को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलाधिकारी को प्रदेश व्यापी ज्ञापन सौंपा गया। इसके संदर्भ में आज गाजीपुर में समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य राहुल सिंह राधे के नेतृत्व में छात्र सभा के कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा । इस अवसर पर राहुल सिंह राधे ने कहा कि पूरे देश में डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए प्रवेश परीक्षा के रूप में ली जाने वाली नीट परीक्षा के रिजल्ट में सैकड़ो अभ्यर्थियों के 10% नंबर आए हैं इनमें भी एक ही परीक्षा केंद्र से कई लोगों के एक साथ 100% नंबर आना एक बड़ी धांधली की ओर संकेत करता है। भाजपा राज में परीक्षाए अवैधानिक तरीके से प्रश्न पत्र लीक कराने, छद्यम लोगो से पेपर दिलवाने, सेंटर की सेटिंग करवाने और रिजल्ट को मैनेज करने जैसे धंधे का रूप लेती जा रही है। इस देश का छात्र युवा व्यवस्था में विश्वास खोने लगा है। राहुल सिंह ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय से मांग किया की आप इस मामले को स्वतः संज्ञान ले और इसके लिए दोषी लोगों पर कार्यवाही कराते हुए। इस परीक्षा को पुनः कराने की कोशिश करे। इस मौके पर छात्र सभा के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह कुशवाहा, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष अमित ठाकुर, रमेश यादव, कमलेश, रोहन, दीपक, रिशु, प्रदीप कुमार, प्रवीण कुमार, रंजीत सिंह, राधे, राकेश यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की सरकार अब राशन डीलरो का ध्यान दें : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव एक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव खत्म हो चुका है अब प्रदेश के मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश के 80000हजार राशन डीलरो के कमीशन के बारे में काम करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश के कोटेदारों का कमीशन बहुत ही कम है।और शासन द्वारा उन लोगों से समय-समय पर अन्य कार्य भी कराये जा रहे हैं।और निशुल्क राशन भी वितरण कराया जा रहा है।और उसका कमीशन तीन चार महीने बाद मिल रहा है। ऐसे में राशन डीलर का परिवार चलना कठिन हो गया है।उनके सामने आर्थिक तंगी आ रही है। सरकार द्वारा इस विभाग में समय-समय पर पारदर्शी बनाने का काम किया है जों यह विभाग अब अन्य विभागों से बहुत बेहतर हो गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है। अच्छा वितरण किया जा रहा है कोटेदारों द्वारा इसलिए अब मुख्यमंत्री जी को कोटेदारों का कमीशन बढ़ाना चाहिए।ताकि और बेहतर ढंग से काम हो सकें। राशन डीलर वह शख्स है जिसकी जड और पकड अन्तिम व्यक्ति तक हैं। जल्द ही प्रदेश संगठन लखनऊ में एक बैठक करके मुख्यमंत्री जी मुलाकात का कार्यक्रम तैयार करेगा। तथा दिल्ली में प्रदेश के कैबिनेट राज्यमंत्री श्री जी एल वर्मा जी मिलेगा।कार्यक्रम में प्रदेश सचिव अजय जायसवाल जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पाण्डेय जिला महासचिव अशोक कुमार जिला उपाध्यक्ष संदीप मिश्रा संदीप जायसवाल जमुना बद्री सन्तोष तिवारी तमाम कोटेदार उपस्थित थे।संचालन संतोष कुमार ने किया।

किसानों के हित लाभ के लिए कृषि में प्रशिक्षित युवाओं को सरकार देगी विभिन्न सुविधा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उप कृषि निदेशक अतीन्द्र सिंह ने बताया कि किसानों के हित लाभ के लिए कृषि में प्रशिक्षित युवाओं की सेवाओं का उपयोग करनें के उद्देश्य से किसानों को कृषि सम्बन्धित समस्त सुविधायें वन स्टाप शाप के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना है। राज्य सरकार द्वारा कृषि प्रशिक्षित उद्यमियों को निम्न सुविधायें प्रदान की जायेगी। जिसमें कृषि व्यवसाय गतिविधियों के लिए लाइसेन्स प्राप्त करनें में सहायता तथा लाइसेन्स फीस के व्यय की प्रतिपूर्ति, एगीजंक्शन स्थापना के लिए बैंकों से ऋण प्राप्त करनें में सहायता तथा 7.5 प्रतिशत की दर से ऋण पर व्याज अनुदान की व्यवस्था। यह अनुदान बैंक की बैंक इन्डेड सब्सिडी के रूप में रखा जायेगा तथा वर्ष की समाप्ति पर ऋणी के खाते में क्रेडिट कर दिया जायेगा, एक वर्ष तक के लिए परिसर के किराये का 50 प्रतिशत की धनराशि जो रूपए 1 हजार प्रति माह से अधिक न हो, एग्रीजंक्शन की स्थापना हेतु चयनित लाभार्थियों को उद्धम स्थापना एवं संचालन हेतु निःशुल्क 13 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान करना, एग्रीजंक्शन उद्यमियों के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु अन्य योजनाओं से अभिसरण, योजना का कुल लक्ष्य-44, जिले के प्रत्येक तहसील एवं विकास खंड स्तर पर लक्ष्य दिया गया है, चयन हेतु कृषि स्नातक, कृषि व्यवसाय प्रबन्धन स्नातक/ स्नातक जो कृषि एवं सम्बद्ध विषयों तथा उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशुचिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इस तरह की गतिविधियों जो किसी राज्य/केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य कृषि विश्वविद्यालयों से डिग्रीधारी हैं, जो आई०सी०ए०आर०/ यू०जी०सी० द्वारा मान्यता प्राप्त हो, पात्र होगे। इसके अतिरिक्त उपरोक्त के अनुपलब्ध होने पर अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारी/ कृषि विषय में इण्टरमीडिएट योग्य प्रार्थी पर विचार किया जायेगा। आयु- 40 वर्ष से अनधिक/अनु०/अनु० जनजाति/ महिला को 05 वर्ष की छूट अधिकतम। पात्र अभ्यर्थियों में, जिनकी जन्मतिथि पहले हो वरीयता दी जायेगी। प्रति एग्रीजंक्शन कुल न्यूनतम योजना की प्रोजेक्ट लागत रुपया 6 लाख। ऋण सीमाः रूपया 5 लाख। योजना से सम्बन्धित अधिक जानकारी के लिए कार्यालय उप कृषि निदेशक या जिला कृषि अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

बिहार में विद्या वाचस्पति सम्मान से सम्मानित हुए जिले के प्रख्यात अवधी विद्वान इंद्रेश भदौरिया

प्रखर पूर्वांचल रायबरेली। जिले का नाम भी स्वर्णिम अक्षर से लिखा जाता है वर्तमान में अवधी भाषा के प्रख्यात विद्वान इंद्रेश बहादुर सिंह भदौरिया को बिहार में वाचस्पति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ' मूल रूप से हरचंदपुर क्षेत्र के निवासी इंद्रेश कुमार भदौरिया अवधी भाषा के प्रख्यात विद्वान हैं उनकी कई पुस्तक अब तक प्रकाशित हो चुकी है कई बड़े-बड़े मंचों पर अपना लोहा अवधि भाषा के क्षेत्र में मनवा चुके इंद्रेश कुमार भदौरिया को बिहार प्रदेश में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित एक मंड सम्मान कार्यक्रम में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया है 'इंद्रेश कुमार भदौरिया की कई पुस्तक ऐसी है जिन पर विशेष रूप से शोध भी हो रहा है क्योंकि उन्होंने अवधी

भाषा को एक स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया है ' पुरस्कार प्राप्त करने वाले इंद्रेश कुमार भदौरिया का कहना है कि जिस तरह भोजपुरी अब बुंदेली भाषा को महत्व दिया जाता है वैसे ही अवधी भाषा को भी महत्व देना चाहिए क्योंकि यह मीठी भाषा अवध क्षेत्र के गांव में बोली जाती है लेकिन शहर के लोग इसे बोलने में संकोच करते हैं जबकि घर के अंदर इसी भाषा का उपयोग आपस में बात करने के लिए किया जाता है तो क्यों ना इस भाषा को प्रचारित और प्रसारित करके सामाजिक जीवन में भी बोलने के लिए प्रयोग किया जाए वाचस्पति पुरस्कार से सम्मानित होने पर जिले के साहित्यकार भाषा सलाहकार डॉ संतलाल पुष्पा श्रीवास्तव शैली अशोक कुमार डॉक्टर प्रियंका रत्ना भदौरिया और कल्पना अवस्थी इंद्रेश भदौरिया को शुभकामनाएं दी है।

अज्ञात कारणों से लगी आग से बाइक, झोपड़ी सहित जले अनाज, 5 पशु झुलसे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भांवरकोल थाना क्षेत्र के फिरोजपुर बांड़ में सोमवार की देर रात अचानक आग लग जाने के कारण गहमर थाना क्षेत्र के बारा निवासी शाहिद जमील खां ऊर्फ सोनू खां की एक झोपड़ी व उसमें रखे अनाज व एक बाइक सहित अन्य सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। इस घटना में झोपड़ी के पास बंधे सोनू खां की दो भैंसें, एक गाय के अलावा एक पड़िया व एक बछिया भी झुलस गईं। पास पड़ोस के लोगों और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। गहमर थाना क्षेत्र के बारा निवासी शाहिद जमील खां ऊर्फ सोनू खां का खेत गंगा पार खेत पड़ता है । कृषि कार्य की सुविधा के दृष्टिगत फिरोजपुर बाड़ में गंगा के पास कुछ ही दूरी पर सोनू खां का डेरा है जहां सोनू खान अपने पशुओं को रखने के साथ-साथ वहीं रहकर कृषि कार्य का संचालन व देखभाल भी करते हैं। सोमवार की रात अज्ञात कर्म से

अचानक आग लग गई उसे समय वह अपने पैतृक गांव भोजन करने गए थे सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी पहुंच गई । फायर ब्रिगेड की गाड़ी और पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। अगलगी कि इस घटना में सोनू खां की एक झोपड़ी तथा उसमें रखा मसूर, चना,अरहर ,चौकी, चारपाई व एक बाइक सहित अन्य सामान तो जलकर नष्ट हो ही गया साथ ही साथ झोपड़ी के पास बंधी दो भैंसे, एक गाय, एक पड़िया तथा एक बछिया भी झुलस गईं। अगलगी के कारणों का पता नहीं चल सका।

सीओ समेत पुलिस टीम पर जानलेवा हमले के मामले में 25 आरोपित दोषमुक्त

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। अपहरण हुए युवक का पता नहीं चलने से नाराज लोगों द्वारा धरना-प्रदर्शन के दौरान पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने के मामले में 25 आरोपितों को कोर्ट से राहत मिल गई ` अपर जिला जज (त्रयोदश) मनोज कुमार सिंह की अदालत ने इस मामले में मुनीब राजभर समेत 25 आरोपितों को साक्ष्य के आभाव में संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया अदालत में मुनीब राजभर की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव,नरेश यादव व चंद्रबली पटेल ने पक्ष रखा` अभियोजन पक्ष के अनुसार लंका थाना क्षेत्र के चौकी प्रभारी नगवा तहसीलदार सिंह ने लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी` आरोप था कि वह लंका थाना क्षेत्र के नगवां से एक युवक के अपहरण के मामले की विवेचना कर रहे थे उसी दौरान मालूम हुआ कि उक्त अभियोग से सम्बन्धित अपहृत राजा साहनी का अभी तक पता न चल पाने की बात को लेकर कुछ लोग मदरवां के सामने 5 अक्टूबर 2010 को मुख्य मार्ग पर रोड जाम करके प्रदर्शन कर रहे है जिससे आवागमन अवरूद्ध हो गया है आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है एम्बुलेंस की कई गाडियां फंसी हुई है इस सूचना पर

जब वह वहां पहुंचे और उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी` जानकारी के बाद सीओ भेलूपुर,लंका थाना प्रभारी भी पुलिस बल के साथ मायके पर पहुंचे तो देखा कि सड़क पर दोनों तरफ से काफी मात्रा में रोड पर वाहन बेतरतीब खड़े है तथा लोग आगे-पीछे गाड़ियों को किनारे एवं बीच में खड़ा किये है` एबुलेंस की गाड़ियां फंसी है और साइरन बजा रही है इस पर पुलिस लोगों को हटाते-बढ़ाते आगे बढ़ा तो देखा कि करीब ढाई तीन सौ लोग बीचों बीच सड़क पर बांस बल्ली लगाकर आवागमन अवरूद्ध किये है उन्हें समझाने का प्रयास किया तो वह लोग उग्र हो गए साथ ही पुलिस टीम पर ईंट-पत्थर चलाने लगे जिससे सीओ समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए` इसी बीच हमलावरों ने दरोगा तहसीलदार सिंह को जान से मारने की नियत से उनके सिर पर लाठी से प्रहार किया हालांकि सिर पर हेलमेट होने की वजह से वह बाल-बाल बच गए` इस मामले में पुलिस ने मुनीब चौहान समेत 25 लोगों को आरोपित बनाते हुए उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 147,149,427, 353, 332, 336,307, 504, 506 व धारा 7 क्रिमिनल लॉ एमेन्डमेंट एक्ट व धारा 3/4 लोक सम्पत्ति के नुकसानी (निवारण) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

जौनपुर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का चुनाव सम्पन्न, मधुसूदन बैंकर निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

प्रखर पूर्वांचल जौनपुर। लायंस क्लब इन्टरनेशनल की जनपद शाखा लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का सत्र 2024-25 की नई कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुआ इस सम्बन्ध में संस्था की एक आम सभा सोमवार की शाम ओलन्दगंज स्थित एक होटल में संस्था अध्यक्ष लायन अजय गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ जिसमें नये सत्र के अध्यक्ष हेतु लायन मधुसूदन बैंकर के नाम को लायन अभिताष गुप्ता ने प्रस्तावित किया जिसका अनुमोदन लायन अमित गुप्ता लायन डा.विष्णू गौड़ ने किया तत्पश्चात सभी सदस्यों ने हर्षध्वनि के साथ अपनी सहमति व्यक्त किया इसके उपरांत निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने अपनी स्वीकृति प्रदान की एवं सभी सदस्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए वर्ष भर सभी से सहयोग की अपेक्षा की साथ ही अपने सहयोगी के रूप में सचिव के लिए लायन अजय सोनकर व कोषाध्यक्ष के लिए पुनः लायन राजेश किशोर श्रीवास्तव का नाम

सदन में रक्खा जिस पर सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया !

संस्थापक अध्यक्ष/निर्वाचन अधिकारी लायन अजय गुप्ता ने नई टीम को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई कमेटी अपने अनुभव व सोच से सभी को साथ लेकर संस्था को गौरवान्वित महसूस कराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी ऐसा हमें विश्वास है! उपस्थित सदस्यों ने सभी नव चयनित पदाधिकारियों को फूल मालाओं से लादकर सभी का उत्साहवर्धन किया! कार्यक्रम का सफल संचालन उपाध्यक्ष द्वितीय ला.अभिताष गुप्ता ने एवं उपाध्यक्ष प्रथम ला.संजीव साहू ने सभी का स्वागत किया सचिव ला.रसाल बरनवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया! इस अवसर पर लायन राज केशरी, राजेन्द्र स्वर्णकार, राजेश अग्रहरि, प्रदीप प्रधान, सन्तोष अग्रहरि, आदेश सेठ, ऋषि श्रीवास्तव, अभिषेक जायसवाल,विनय साहू, अजय नाथ जायसवाल, विनोद अग्रहरि,अभिषेक बैंकर, रवि शर्मा, रवि अग्रहरि,वैभव प्रधान, शशि गुप्ता, राकेश साहू, राजकुमार कश्यप, गोपाल जी साहू, गौरव मिंगलानी, योगेश साहू,ईशांक गुप्ता, संदीप सेठी इत्यादि विशेष रूप से उपस्थित रहे!

गरीबों के पुत्रियों के शादी के अनुदान के ऑनलाइन आवेदन हेतु वार्षिक आय हुआ 1 लाख

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पिछड़ी जाति गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान शादी अनुदान योजना ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड संचालित की जा रही है, जिसमें शादी अनुदान योजना में लाभार्थी के पुत्री की शादी हेतु धनराशि रू0 20,000.00 का अनुदान विभाग द्वारा वितरित किया जाता है। अन्य पिछड़े वर्ग में अल्पसंख्यक वर्ग को छोड़कर गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों के शादी अनुदान योजनान्तर्गत शहरी आवेदक की वार्षिक आय 56460.00 शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में 46080.00 निर्धारित की गयी थी। प्रमुख सचिव उ०प्र० आदेशानुसार वार्षिक आय सीमा बढ़ाते हुए शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के समस्त आवेदक हेतु रू0 1,00,000.00 एक लाख वार्षिक तक संशोधित कर दी गयी है। आवेदक द्वारा ऑनलाइन आवेदन शादी के तिथि से 03 माह पूर्व एवं 03 माह बाद तक किया जा सकता है, इसमें आवेदक ऑनलाइन आवेदन भरे गये प्रिन्ट आउट की कापी एवं वार्षिक आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, शादी कार्ड मूलरूप से, वर, कन्या का उम्र प्रमाण पत्र को संलग्न करते हुए ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक अपने सम्बन्धित विकास खण्ड कार्यालय पर एवं शहरी, नगर क्षेत्र के आवेदक अपना आवेदन पत्र समस्त संलग्नकों सहित अपने सम्बन्धित तहसील पर जमा करने की व्यवस्था है। जहाँ से आवेदन पत्र जॉच, सत्यापनों उपरान्त ऑनलाइन डिजीटली लॉक करते हुए हार्डकापी कार्यालय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण को उपलब्ध कराया जाता है, तदोपरान्त विभाग द्वारा धनराशि वितरण की कार्यवाही की जाती है। जिला पिछड़े वर्ग कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त इच्छुक लाभार्थियों को सूचित किया है कि जो उपरोक्त पात्रता के अन्तर्गत आने वाले सभी आवेदक अपना शादी अनुदान आवेदन पत्र वेबसाईट पर ऑनलाइन भरते हुए समस्त वांछित संलग्नकों सहित विकास खण्ड या तहसील कार्यालय पर जमा करना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

त्योहारों के मद्देनजर थाना अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई पीस कमेटी की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भावरकोल थाना परिसर में सोमवार देर शाम थाना अध्यक्ष की अध्यक्षता में गंगा दशहरा और बकरीद के त्यौहार को देखते हुए पीस कमेटी की बैठक आज संपन्न हुई। इसमें थाना अध्यक्ष भावरकोल के साथ-साथ थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव से आए ग्राम प्रधान एवं सम्मानित नागरिक शामिल रहे। थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने सभी से बातचीत के दौरान बताया कि सभी लोग अपने-अपने धर्म के त्यौहार को शांति और सौगात पूर्ण मनाये, अगर कोई त्यौहार में बाधा डालता है तो तत्काल पुलिस को सूचित करें उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी एवं बकरीद के त्योहार पर दी जाने वाली कुबार्नी के बचे हुए कचरे को इधर-उधर न फेके उसे गड्ढे खोद कर जमीन के अंदर दबा दे। इस अवसर पर थाना अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह, अतुल सिंह, चौकी प्रभारी मछटी ओमवीर सिंह, नितेश यादव, गोपाल प्रसाद, प्रदीप सिंह, गुड्डू यादव, गंगासागर, अनुराग राय, अब्दुल वाजिद, फैजल अंसारी, विशाल सिंह आदि सम्मानित व्यक्ति मौजूद रहे।

एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने स्व0 संजय व युग श्रीवास्तव के परिजनों से व्यक्त की शोक संवेदना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मंगलवार को वाराणसी स्नातक क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने वाराणसी से बलिया कार्यक्रम मे शामिल होने जाते समय मंगलवार को आलमपट्टी मे हुई एक कार दुर्घटना में एडवोकेट संजय श्रीवास्तव की हुई मौत पर उनके गांव नुरपूर कैथवलियां स्थित आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से मिलकर शोकसंवेदना व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कोतवाली पुलिस द्वारा इस घटना को गंभीरता से न लेने और आवश्यक कार्रवाई न किये जाने पर इंस्पेक्टर कोतवाली से दुरभाष पर बात कर क्षोभ जताते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। उनहोंने बंशीबाजार में रिंकू श्रीवास्तव के बेटे युग श्रीवास्तव की आकस्मिक मौत पर भी उनके आवास पर जाकर शोकसंवेदना व्यक्त किया। इस अवसर पर उनके साथ समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अरूण कुमार श्रीवास्तव, उनके प्रपिनिधि पप्पू लाल श्रीवास्तव, केशव श्रीवास्तव, संदीप राय, विभोर श्रीवास्तव, शशिकांत श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव एडवोकेट, परमानन्द श्रीवास्तव, चुन्नू श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे।

महाविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ काशी दास बाबा का पूजा

जखनिया गाजीपुर। क्षेत्र के टोडरपुर गांव स्थित श्री किसान विधि महाविद्यालय के प्रांगण में काशी दास बाबा का पूजा(करहा) के मुख्य पुजारी पंथी सुरेंद्र यादव ने कहा यह भगवान योगेश्वर कृष्ण की साक्षात पूजा की जाती है। यह पूजा श्रद्धा विश्वास का है , प्रभु की कृपा से ही यह पूजा आयोजित हो पाती है ।श्रीमद् भागवत कथा में सुखदेव जी से व्याख्यान में कन्हैया जी का वर्णन किया है ।इस पूजा से अपार सफलता के साथ मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। कहा भगवान सदा भक्त के बश में होते हैं ।भगवान योगेश्वर के परम-शिष्य कासीदास भगवान को याद किया ,भगवान कन्हैया दया के रूप में प्रकट होकर बताया कि पहले यह पूजा गोवर्धन पर होती थी उसे अब काशी दास द्वारा घूम घूम कर मानव लोक के प्रचार प्रसार कर गांव में कराया जाने लगा ।इनकी पूजा मिट्टी के तीन खप्पर में की जाती है। पहला गंगा माई के नाम जहां तीनों लोक चौदहो भुवन होते हैं, दूसरा दामोदर भगवान के नाम जहा स्वंय नारायण आते हैं ,और तीसरा जो बन सत्ती के नाम पर खप्पड़ दिया जाता है। जहां पर नवदुर्गा माता सहित बन सत्ती बंन दुर्गा अदृश्य रूप में प्रकट होती हैं ।यह पूजा साक्षात भगवान योगेश्वर, माता बनसत्ती पूजा 5125 वर्षों पूर्व से धरती पर होती चली आई है ,उस समय भगवान कृष्ण 7 वर्ष के रहे। इस पूजा के महत्व को बताया कि इस पूजा में जो भी हवन सामग्री घी चावल जौ जलता है उससे वहां का वातावरण शुद्ध ,पर्यावरण साफ होते हैं , पंथी द्वारा उपला को आपस में घिसकर मंत्र से अग्नि प्रज्वलित कर पूजन का कार्यक्रम शुरू करते हुए खौलते दूध से बालक को नहलाया ,खौलते खीर से पूरे शरीर पर लेपन करने के अलावा और भी चमत्कारी कार्य कर लोगों को सोचने को मजबूर कर दिए ।आचार्य पंडित राजेंद्र चौबे ने मां के मंत्रोचार से पूजन करते रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं